सुविचार
जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं है कि मनुष्य मर जाते हैं, बल्कि यह है कि वे प्रेम करना छोड़ देते हैं।
–खुशवंत सिंह

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ●Monday, 23 March 2026 ●Year : 05 ●Issue : 67 ●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Sree leela Nearly Quit Acting Due To Trolling; Raashii... 12

SARAFA

सोना	:	13,530
चांदी	:	250.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

कतर की सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश 6 लोगों की मौत

DOHA : खाड़ी देश कतर के समुद्री क्षेत्र में रविवार को बड़ा हादसा हुआ, जब नियमित ड्यूटी पर तैनात सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि हादसे में एक लापता व्यक्ति की खोज के लिए अभियान जारी है। कतर न्यूज एजेंसी के अनुसार, रविवार को कतर के समुद्री क्षेत्र में सेना का हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। कतर के गृह मंत्रालय के अनुसार, हेलीकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे।

पंजाब पुलिस ने जब्त की 24.5 किलोग्राम हेरोइन 21 लाख किए बरामद

CHANDIGARH : पंजाब पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल के साथ संयुक्त अभियान में सीमा पार तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और तीन लोगों के पास से 24.5 किलोग्राम हेरोइन और 21.5 लाख रुपये बरामद किए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी के पाकिस्तान में बैठे आकाओं से संबंध थे। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों की पहचान जगजीत सिंह उर्फ राणा, मनप्रीत सिंह और रोशन सिंह के रूप में हुई है और ये सभी अमृतसर के निवासी हैं।

श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण स्थगित माता वैष्णो देवी यात्रा शुरू

JAMMU : रविवार को जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी के गुफा मंदिर की यात्रा अस्थायी स्थगन के बाद फिर से शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने शनिवार को भवन क्षेत्र में भारी भीड़ के मद्देनजर यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी थी। दोपहर बाद तक करीब 39 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे, जिसके चलते एहतियातन यह कदम उठाया गया। चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू हुई है और 27 मार्च को समाप्त होगी। श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि भवन में अत्यधिक भीड़ के कारण यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित की गई थी, जिसे अब फिर से शुरू कर दिया गया है।

अब पंचायतों व नगर निकायों में बेहतर होगा वित्तीय संसाधनों का वितरण

हेमंत सरकार ने पांचवें राज्य वित्त आयोग की अनुशंसा पर तेज की कार्रवाई की प्रक्रिया

- विकास आयुक्त की अध्यक्षता में समिति का किया गया गठन
- इस संबंध में वित्त विभाग की ओर से जारी कर दिया गया है संकल्प
- आयोग की सिफारिशों की समीक्षा कर कार्रवाई के लिए सुझाव देगी समिति
- राज्यपाल सचिवालय के माध्यम से सरकार को प्राप्त हुई है आयोग की दूसरी रिपोर्ट

जरूरत के अनुरूप स्थानीय विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आएगी गति

तीन माह के भीतर सौंपी जाएगी रिपोर्ट

समिति गठन की तिथि से तीन माह के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपनी होगी। इसमें बताया जाएगा कि आयोग की अनुशंसाओं को किस प्रकार चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा सकता है और किन मदों में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह समिति की कार्यवाही संविधान के अनुच्छेद 243 तथा झारखंड पंचायत राज अधिनियम 2001 और झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत आवश्यक कार्रवाई की दिशा में अंतरिम प्रतिवेदन मानी जाएगी।

12 मार्च को कैबिनेट से मिली थी स्वीकृति

इस प्रस्ताव को 12 मार्च को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मंजूरी दी गई थी। अब संकल्प सभी विभागों, विभागाध्यक्षों और महालेखाकार कार्यालय को भेजने का निर्देश जारी कर दिया गया है। सरकार का मानना है कि इससे पंचायतों और शहरी निकायों को वित्तीय सुदृढ़ता देने की दिशा में ठोस पहल होगी और स्थानीय विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में गति आएगी।

PHOTON NEWS RANCHI : अब झारखंड की पंचायत और नगर निकायों में आवश्यकता के अनुसार वित्तीय संसाधनों का बेहतर वितरण हो सकेगा। हेमंत सरकार ने पंचम राज्य वित्त आयोग की दूसरी रिपोर्ट पर कार्रवाई शुरू करते हुए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। वित्त विभाग ने इस संबंध में संकल्प जारी कर दिया है। संकल्प के अनुसार, यह समिति आयोग की सिफारिशों की समीक्षा कर सरकार को आगे की कार्रवाई के लिए सुझाव देगी। सरकार को पंचम राज्य वित्त आयोग की दूसरी रिपोर्ट राज्यपाल सचिवालय के माध्यम से प्राप्त हुई है। रिपोर्ट में पंचायतों और नगर निकायों को वित्तीय संसाधनों के बेहतर वितरण तथा विकास योजनाओं के लिए कई अनुशंसाएं की गई हैं।
राज्य सरकार ने इन सिफारिशों पर उपलब्ध निधि के भीतर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया है। गठित समिति में विकास आयुक्त को अध्यक्ष बनाया गया है। नगर विकास विभाग, वित्त विभाग, पंचायती राज विभाग तथा योजना एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव या सचिव सदस्य होंगे। वित्त विभाग के विशेष सचिव, अपर सचिव या संयुक्त सचिव को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी दी गई है।

क्राइसिस कंट्रोल : एक सप्ताह में गैस और क्रूड ऑयल लेकर आए पांच कार्गो शिप

अमेरिका से एलपीजी और रूस से कच्चा तेल लेकर भारत पहुंचे जहाज

केंद्र सरकार ने की घोषणा, आज से राज्यों को 20% मिलेगी ज्यादा गैस

फारस की खाड़ी में अभी भी फंसे हुए हैं करीब 22 भारतीय जहाज

- 16 और 17 मार्च को देश में पहुंचा था 92,712 मीट्रिक टन एलपीजी
- सामुदायिक रसोई, रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को दी जाएगी प्राथमिकता
- प्रवासी मजदूरों को मिलेंगे 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर

NEW DELHI @ PTI : रविवार को अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर एक कार्गो शिप मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया। इसके साथ ही रूस से एक जहाज कच्चा तेल लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे।
गौरतलब है कि इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर ह्यजग लाडकीह्व गुजरात में अडानी पोर्ट्स आया था। दो अन्य एलपीजी कैरियर एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस लेकर 16 और 17 मार्च को भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे। फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट यानी जलडमरू दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है। यहां से दुनियाभर की करीब 20% ऑयल की सप्लाई होती है। केंद्र सरकार ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। सोमवार से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट से पहले के स्तर (प्री-क्राइसिस लेवल) के 50% तक पहुंच जाएगी।

पीएम ने ईंधन और ऊर्जा आपूर्ति की स्थिति का लिया जायजा

NEW DELHI : रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के मद्देनजर कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की वरिष्ठ मंत्रियों के साथ समीक्षा की। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह , कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान,

विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इस उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्रियों सर्बानंद सोनोवाल (बंदरगाह एवं जहाजरानी), मनोहर लाल खट्टर (ऊर्जा), प्रह्लाद जोशी (खाद्य एवं उपभोक्ता मामले), किंजरापु राममोहन नायडू (नागरिक उड्डयन) और हरदीप सिंह पुरी (पेट्रोलियम), राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और प्रधानमंत्री के दो प्रधान सचिव पी के मिश्रा और शक्तिकांत दास भी मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर मौजूदा वैश्विक स्थिति और उपभोक्ता एवं उद्योग हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की समीक्षा की गई। मोदी ने 12 मार्च को कहा था कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने विश्वव्यापी ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जो राष्ट्रीय चरित्र की एक गंभीर परीक्षा है।

ईरान ने इजरायल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र को बनाया निशाना

- दागी मिसाइलें, क्षतिग्रस्त हुए कई मकान, कुछ लोगों के घायल होने का दावा
- बेंजामिन नेतन्याहू बोले– दुनिया के लिए लड़ रहे इजरायल और अमेरिका

KAHIRA @ PTI : ईरान ने शनिवार की देर रात से रविवार की सुबह तक दक्षिणी इजरायल के दो इलाकों पर मिसाइल हमले किए, जिससे इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और कई लोगों के घायल होने का दावा किया गया है। ये हमले इजरायल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास हुए। इसरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि डिएगो गार्सिया पर ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से स्पष्ट होता है कि फारस खाड़ी का देश यूरोप तक मार करने की क्षमता रखता है और वह पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करता है। नेतन्याहू ने दक्षिणी इजरायली शहर अराद का रविवार को दौरा किया, जिस पर शनिवार शाम ईरान ने मिसाइल हमले किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश और अमेरिका पूरी दुनिया की ओर से मिलकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप इस बात का सबूत चाहते हैं कि ईरान पूरी दुनिया के लिए खतरा है, तो पिछले 48 घंटों में यह मिल गया है। पिछले 48 घंटों में ईरान ने एक नागरिक क्षेत्र को निशाना बनाया। वह इसका इस्तेमाल सामूहिक नरसंहार के हथियार के रूप में कर रहा है।

इजरायली एफ-16 विमान को मार गिराने का दावा

ईरान की अंतरराष्ट्रीय टीवी चैनल प्रेस टीवी के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने मध्य ईरान के हवाई क्षेत्र में एक और इजरायली एफ–16 लड़ाकू विमान को इंटरसेप्टर मिसाइल से मार गिराया है। इससे पहले ईरान ने अमेरिका के एफ–35 को मार गिराया था। अमेरिकी रक्षा एजेंसी ने इसकी पुष्टि की थी और कहा था कि हमले में विमान को नुकसान पहुंचा,लेकिन उसके चालक सुरक्षित बच निकले।

इंसास के साथ टीएसपीसी के 8 उग्रवादी अरेस्ट

PHOTON NEWS HAZARIBAG : हजारीबाग जिला अंतर्गत उरीमारी ओपी क्षेत्र में उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के विरुद्ध पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसपी रीष्मा रमेशन को 21 मार्च को गुप्त सूचना मिली थी कि उरीमारी ओपी अंतर्गत कोलियरी क्षेत्र में उग्रवादी संगठन के कुछ सदस्य किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम कार्रवाई में जुटी। ग्राम आसवा एवं गुडकुवा के समीप पहुंचने पर ग्राम उरेज की ओर से एक संदिग्ध सफेद बोलेरो कार तेज गति से आती दिखी। पुलिस वाहन को देखकर कार

- हजारीबाग जिले के उरीमारी ओपी क्षेत्र में हुई कार्रवाई, एसपी को मिली थी गुप्त सूचना

चालक वाहन को मोड़कर भागने लगा। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर वाहन असंतुलित होकर सड़क किनारे पुल एवं पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान वाहन में सवार दो व्यक्तियों के पास इंसास राइफल मिली। इसके अलावा 5.56 एमएम इंसास राइफल-02, 5.56 एमएम गोली-90, 7.62 एमएम गोली-37, 7.65 एमएम गोली-26 व 9 एमएम गोली-21, देसी पिस्टल-01 शामिल है। दो को छोड़कर सभी गिरफ्तार उग्रवादी पलामू जिला के निवासी हैं। टीएसपीसी के जोनल कमांडर भीखन गंझू एवं सब-जोनल कमांडर दिनेश उर्फ रवि राम के संपर्क में रहकर विभिन्न जिलों में संगठन का संचालन कर रहे थे। ये लोग लेवी वसूली, धमकी एवं क्षेत्र में दहशत फैलाते थे।

असम में पुलिस कमांडो कैंप पर अचानक उग्रवादियों ने कर दिया अटैक, चार पुलिसकर्मी हो गए घायल

- यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) ने ली हमले की जिम्मेदारी
- कैंप में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने की तत्काल जवाबी कार्रवाई, कुछ देर तक चली मुठभेड़
- अंधेरे का फायदा उठाकर अरुणाचल प्रदेश से लगती सीमा पार कर भागे हमलावर
- डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चल रहा घायलों का इलाज

TINSUKIA @ PTI : असम के तिनसुकिया जिले में शनिवार की देर रात असम पुलिस कमांडो कैंप पर उग्रवादी हमले में कम से कम चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हमले के जिम्मेदार लोगों को पकड़ने के लिए जवाबी अभियान शुरू किया गया है। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) (उल्फा आई) ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि उसके खिलाफ असम पुलिस की ओर से बार-बार की गई कार्रवाई और पिछले साल सेना द्वारा उसके शिविरों पर कथित रूप से किए गए ड्रोन हमले के बदले में जागुन क्षेत्र में उसने 'ऑपरेशन बुजोनी' चलाया। गौरतलब है कि यह हमला नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हमला रात में करीब ढाई बजे हुआ।
उन्होंने बताया कि उग्रवादियों ने शिविर पर कई रॉकेट-चालित ग्रेनेड (आरपीजी) दागे, जिनमें से पांच फटे। कैंप में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की जिसके परिणामस्वरूप कुछ देर तक मुठभेड़ चली। पुलिस अधिकारी ने संदेह जताया है कि यह हमला सात सदस्यीय एक गिरोह ने किया जो अंधेरे का फायदा उठाकर अरुणाचल प्रदेश से लगती अंतरराज्यीय सीमा पार कर भाग गया।

स्ट्रांग डिफेंस वर्तमान हालात को ध्यान में रखकर उठाए गए कारगर कदम

जमीन से लेकर आकाश तक भारतीय सेना की ताकत बुलंद

PHOTON NEWS, RESEARCH DESK : पिछले साल आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद भारतीय सेना को सभी विषम परिस्थितियों से मुकाबला करने के लिए हर स्तर पर और मजबूत किया जा रहा है। इससे जमीन से लेकर आकाश तक पहले की अपेक्षा भारतीय सेना की ताकत और बढ़ जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस मजबूती के केंद्र में स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के विजन को रखा गया है। हाल ही में भारतीय रक्षा क्षेत्र और स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने 5083 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण डील पर मुहर लगाई है। यह सौदा मुख्य रूप से छह उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की खरीद से जुड़ा है। समुद्री सुरक्षा और सैन्य आधुनिकीकरण के लिहाज से यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। विभागीय जानकारी के अनुसार, भारतीय एयरोस्पेस क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के लिए यह करार एक बड़ा बिजनेस बूस्ट माना जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 2901 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस बजट के तहत तटरक्षक बल के लिए समुद्री भूमिका वाले एएलएच एमके–3 हेलीकॉप्टर खरीदे जा रहे हैं। इस डील में हेलीकॉप्टरों के साथ-साथ ऑपरेशनल उपकरण, एक इंजीनियरिंग सपोर्ट पैकेज और प्रदर्शनआधारित लॉजिस्टिक्स सपोर्ट को भी शामिल किया गया है।

भविष्य में आने वाली विषम परिस्थितियों का दमदार तरीके से मुकाबला करेगी आर्मी

- रक्षा क्षेत्र व स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए फाइनल की गई है बड़ी डील
- छह उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर और सतह से हवा में मार करने वाली खरीदी जाएंगी मिसाइलें
- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के लिए यह करार एक अत्यंत महत्वपूर्ण बिजनेस बूस्ट
- स्वदेशी व आत्मनिर्भर भारत के विजन को केंद्र में रखते हुए तैयार हुआ रणनीति का ढांचा

- समुद्री सुरक्षा व सैन्य आधुनिकीकरण के लिहाज से भी अहम मानी जा रही यह स्ट्रेटजी

सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद

तटरक्षक बल के लिए खरीदे जा रहे एएलएच एमके–2 और एमके–3 ट्विन–इंजन हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। यह वर्तमान में संचालित हवाई प्लेटफॉर्मों की तुलना में काफी बेहतर हैं। समुद्र के साथ–साथ तटीय हवाई पट्टियों से भी उड़ान भरने में पूरी तरह सक्षम हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन हेलीकॉप्टरों के बेड़े में शामिल होने से कृत्रिम द्वीपों और अपतटीय प्रतिष्ठानों की सुरक्षा क्षमता में इजाफा होगा। इसके अलावा यह समुद्री पर्यावरण की रक्षा और मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मिशनों को पूरा करने में भी कारगर साबित होंगे।

रूस से किया गया खास करार

इस रक्षा पैकेज का दूसरा बड़ा भाग भारतीय नौसेना के युद्धपोतों की सुरक्षा से जुड़ा है। रक्षा मंत्रालय ने सतह से हवा में मार करने वाली स्पेशल मिसाइलों और उनसे जुड़े होल्डिंग फ्रेम की खरीद के लिए रूस की कंपनी जेएससी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ 2182 करोड़ रुपये का करार किया है। ये मिसाइलें भारतीय नौसेना के युद्धपोतों पर तैनात की जाएंगी। इस खरीद का मुख्य उद्देश्य हवाई खतरों की एक विस्तृत श्रृंखला के खिलाफ युद्धपोतों की हवाई रक्षा क्षमताओं को काफी हद तक बढ़ाना है।

आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

NEW DELHI : भारत की टी-20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है, क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी-20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं।

बारिश से रांची और डाल्टनगंज में 7 डिग्री सेल्सियस गिरा तापमान

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में शनिवार को हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में 07 डिग्री की कमी दर्ज की गई। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान जहां 33 डिग्री था, वही रविवार को तापमान गिर कर 26 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इसी प्रकार राज्य के अन्य जिलों में भी बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। इनमें जमशेदपुर में 04 डिग्री, डाल्टनगंज में 07 डिग्री और बोकारो में अधिकतम तापमान में 01 डिग्री सेल्सियस गिरावट दर्ज की गई। झारखंड में मौसम एक बार फिर 26 मार्च से करवट लेगा। इस दौरान गर्जन, हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने रविवार को दी।
मौसम विभाग के अनुसार, 26, 27 और 28 मार्च को राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

- कई जिलों के टेंपरेचर में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई गिरावट
- 26 मार्च से बदलेगा मौसम गर्जन–बारिश और वज्रपात का येलो अलर्ट जारी

महुआ चुनने गए बुजुर्ग को गोली मारकर उतार दिया मौत के घाट

पलामू जिले के पांकी प्रखंड के जंगल में अपराधियों ने दिया वारदात को अंजाम

- पत्नी के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को दी जानकारी
- सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस, मामले की जांच शुरू

घटनास्थल पर जुटी भीड़ व जांच करते पुलिस पदाधिकारी

PHOTON NEWS PALAMU : रविवार की सुबह पलामू जिले के पांकी प्रखंड स्थित माड़न पंचायत के केरकी गांव के जंगल में एक बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान केरकी गांव निवासी राजदेव पासवान के रूप में हुई है। राजदेव अपनी पत्नी के साथ सुबह महुआ चुनने जंगल गए थे। सुबह करीब सात बजे उनकी पत्नी नाश्ता लाने के लिए घर लौट गई थीं। जब वह वापस जंगल पहुंचीं, तो देखा कि उनके पति को गोली मारी गई है और वह मौके पर ही मृत पड़े हैं। पत्नी के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पांकी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई। पलामू के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा भी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर भेज दिया और परिजनों से पूछताछ कर मामले की तहकीकात में जुटी है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी मौके पर पहुंचे। मुखिया प्रतिनिधि रफीक अंसारी, जिला परिषद सदस्य खुशबू कुमारी और समाजसेवी मंटू शर्मा ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए प्रशासन से जल्द मामले का खुलासा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में राष्ट्रीय सम्मेलन नदियों के संरक्षण और जल समानता पर हुआ मंथन

AGENCY DHANBAD : आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में रविवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ह्लमिशन वाईह्व का आयोजन किया गया। 22-23 मार्च तक चलने वाले इस सम्मेलन का मुख्य विषय ह्लनदियों के लिए भूमि अधिग्रहणह्व रहा, जिसमें देशभर के पर्यावरण विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. आर.के. सिन्हा, मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह और वरिष्ठ पर्यावरणविद और विधायक सरयू राय सहित कई विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम के संयोजक और प्रसिद्ध जल विज्ञानी प्रो. अंशुमाली ने बताया कि यह सम्मेलन भूमि उपयोग में हो रहे बदलाव, जलधाराओं के अस्तित्व और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। मीडिया से बातचीत में सरयू राय ने कहा कि बड़ी नदियों को बचाने के लिए छोटी नदियों और जलधाराओं का संरक्षण बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि छोटी जलधाराएं मिलकर ही बड़ी नदियों का निर्माण करती हैं, इसलिए उनके स्रोतों को बचाना आवश्यक है। प्रो. अंशुमाली द्वारा पिछले छह वर्षों से किए जा रहे शोध का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह साबित हो चुका है कि जलधाराओं का संरक्षण नदियों के अस्तित्व के लिए अहम है। वहीं पद्मश्री डॉ. आर.के. सिन्हा ने कहा कि सहायक नदियां मुख्य नदियों के लिए जीवनरेखा होती हैं, इसलिए इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

BRIEF NEWS

मधुमक्खियों से बचने के लिए डैम में कूदा, मौत

PALAMU : पलामू जिले के मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में दर्दनाक घटना हो गई। यहां मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए एक युवक डैम में कूद गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक आरिफ हैदरनगर का निवासी था। बताया जाता है कि आरिफ ईद की नमाज अदा करने के बाद दोस्तों के साथ काशीसोत डैम घूमने गया था। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए आरिफ घबराकर डैम में कूद गया, जहां वह गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल युवक को बाहर निकाला और आनन-फानन हुसैनाबाद स्थित अनुमंडल अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। युवक की मौत से पूरे गांव में मातम पसर गया है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की हालत नाजुक

PALAMU : पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत झाबर गांव निवासी नसरुद्दीन अंसारी (20) शनिवार की रात सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद परिजनों ने उसे तत्काल सतबरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कालेज अस्पताल (एमएमसीएच) रेफर कर दिया। एमएमसीएच में इलाज के बावजूद उसकी हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, नसरुद्दीन अंसारी शनिवार की रात बाइक से अपने रिश्तेदार के घर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल वह एमएमसीएच में ही इलाजरत है।

सम्मानित की गईं जलसहिया

LATEHAR : विश्व जल दिवस पर रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन में जिलास्तरीय कार्यक्रम हुआ। इसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाली जलसहिया सम्मानित की गईं। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद के सदस्य बिनोद उरांव, पेयजल स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता दीपक महतो, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम साहू व प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसमें कहा गया कि बच्चे बदलाव की सबसे बड़ी शक्ति हैं। विद्यालयों में जल संरक्षण के संदेश को अभियान की तरह चलाया जाएगा।

सूर्योपासना का पर्व चैती छठ नहाय-खाय के साथ शुरू

KHUNTI : नहाय-खाय अनुष्ठान के साथ रविवार से सूर्योपासना का चार

दिवसीय पर्व चैती छठ रविवार से शुरू हो गया। व्रतियों ने पूर्ण शुद्धता के साथ कद्दू भात का प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही लोक आस्था का पर्व चैती छठ शुरू हो गया। चैती छठ पर्व के दूसरे दिन सोमवार को खरना अनुष्ठान होगा और मंगलवार 24 मार्च को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य प्रदान किया जाएगा। वहीं बुधवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय चैती छठ महापर्व का समापन हो जायेगा। इस बीच चैती छठ महापर्व को लेकर व्रतियों के घरों में सुंदर सजावट की गई है। साथ ही बज रहे छठ की मधुर गीतों और भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है।

रामगढ़ में आचार्य चयन परीक्षा संपन्न

RAMGARH : विद्या भारती से संबद्ध विद्यालयों के लिए योग्य आचार्यों

के चयन के लिए विद्या विकास समिति के तत्वावधान में आचार्य चयन परीक्षा का आयोजन किया गया। इस राज्यस्तरीय परीक्षा के लिए पूरे झारखंड में कुल दस परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जिनमें रामगढ़ का रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर को भी एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में चयनित किया गया था। इस केंद्र पर खूंटी, रांची, रामगढ़ एवं लोहरदगा जिलों से कुल 245 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। परीक्षा का आयोजन आचार्य पद के लिए पीआरटी, टीजीटी एवं पीजीटी के विभिन्न विषयों में किया गया, जिसमें अभ्यर्थियों ने अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया। परीक्षा के दौरान अनुशासन एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। मौके पर जमशेदपुर विभाग के सह विभाग प्रमुख ब्रेन कुमार टुडू पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने परीक्षा की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि ने तोड़ी किसानों की कमर, तरबूज समेत अन्य फसलें बर्बाद

प्रतीकात्मक तस्वीर

PHOTON NEWS GIRIDIH : शनिवार को हुई बारिश के साथ ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। कर्ज लेकर की गई तरबूज सहित अन्य फसलों को ओलावृष्टि ने बर्बाद कर दिया है। आंधी-बारिश के साथ ऐसे समय पर ओले गिरे, जब फसलों में दाने लगने शुरू हुए थे। फल और सब्जियों को बर्बाद होता देख किसान चिंतित हो गए हैं। फसल की क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर किसानों ने अंचल कार्यालय को आवेदन सौंपने का निर्णय लिया है। स्वयंसेवी संस्था झारखंड एकता विकास केंद्र के सचिव सरयू प्रसाद ने बताया कि उन्होंने किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित किया था। मैंने उन किसानों के खेतों का हाल देखा। अटका पश्चिमी पंचायत के उमेश मंडल ने पहली बार एक एकड़ में तरबूज लगाए थे। फसल की शुरूआत में ही ओलावृष्टि ने फसल को नष्ट कर दिया। किसान ने बताया कि मैंने पहली बार तरबूज की खेती की थी। इसमें लगभग तीन लाख की लागत आई है। इसी तरह अटका पश्चिमी पंचायत के दिलीप प्रसाद ने डेढ़ एकड़ में पहली बार तरबूज की खेती की है। हजारीबाग से तरबूज के पौधे मंगाए थे. तरबूज के अलावा खीरा, टमाटर, लौकी, शिमला मिर्च आदि के पौधे भी नष्ट हो गए। मुंडरो पंचायत अंतर्गत गम्हरिया गांव के किसान छोटेलाल प्रसाद की खेत में लगे फसल भी बर्बाद हो गए। उन्होंने तरबूज, लौकी, खीरा, बोदी आदि के पौधे लगाए थे। अटका पूर्वी पंचायत के यमुनानगर निवासी सीताराम प्रसाद ने मकई, लौकी, खीरा, करेला, बोदी, भिंडी आदि लगाए थे, जो ओलावृष्टि से नष्ट हो गए।

दो दिन से गिरिडीह में मंडरा रहा हेलीकॉप्टर लोगों में कौतूहल

GIRIDIH : गिरिडीह जिले के आसमान में दो दिन से हेलीकॉप्टर मंडरा रहा है। शनिवार के बाद रविवार को भी कई बार हेलीकॉप्टर देखा गया। इसे लेकर लोगों में कौतूहल है कि आखिर यह हेलीकॉप्टर क्यों घूम रहा है। शहर से लेकर औद्योगिक इलाके तक हेलीकॉप्टर ने कई चक्कर लगाए। बाद में पता चला कि इसके माध्यम से जीपीएस-जीएनएसएस सर्वे किया जा रहा है। यह सर्वेक्षण उन सभी स्थानों के लिए कराया जा रहा है, जहां हेलीपैड का निर्माण आपात स्थिति या किसी कार्यक्रम के आयोजन, बड़े नेताओं के आगमन के लिए किया जाता है। सर्वे के तहत जहां हेलिकॉप्टर में स्थापित जीपीएस-जीएनएसएस रिसीवर, एलआईडीएआर या हाई रेज्यूलेशन कैमरा के उपयोग से सेंटीमीटर स्तर की सटीकता वाला डेटा प्राप्त किया जा रहा है। गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव ने बताया कि पिछले पांच साल से जहां कहीं भी हेलीपैड का निर्माण हुआ है, उसका एयर सर्वे चल रहा है। इसी वजह से हेलिकॉप्टर घूम रहा है। दूसरी तरफ लीथियम की उपलब्धता की जांच के लिए एक अलग टीम तिसरी पहुंची है।

अखाड़ा कमेटी पुलिस को सौंपेगी बजने वाले गानों की पूरी सूची

अखाड़ा कमेटियों के साथ बैठक करते पुलिस पदाधिकारी

RAMGARH : रामगढ़ शहर में रामनवमी का त्योहार धूमधाम से मनेगा। लेकिन यह त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो इसके लिए पुलिस ने पहले ही काफी एहतियात बरता है। रविवार को रामगढ़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर नवीन प्रकाश पांडे ने शहर के सभी अखाड़ा कमेटी और रामनवमी महासमिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में 25 लाइसेंसी और 8 गैर लाइसेंसी के कमेटी के पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि पूजा कमेटियों की ओर से बजाए जाने वाले गाने की सूची पेन ड्राइव में उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा डीजे संचालक भी अपनी सहमति लिखित तौर पर थाने को उपलब्ध कराएंगे। सभी रामनवमी महासमिति समय का अनुपालन करेगी। समय पर जुलूस निकलेगा और निश्चित रुट से ही गुजरेगा। इसके अलावा वॉलिंटियर्स के तैनाती किस तरीके से की गई है, इसके बारे में भी पूरी जानकारी पुलिस को होगी। स्थाई रामनवमी पूजा कमेटी लगने वाली भीड़ को कंट्रोल करने के लिए अपनी व्यवस्था करेगी।

कोडरमा-गया रेललाइन पर 160 किमी की रफ्तार से गुजरेंगी ट्रेनें

KODERMA : रेलवे ने नई दिल्ली-हावड़ा ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन पर ट्रेनों की रफ्तार 160 किमी प्रतिघंटा तक बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत धनबाद और डीडीयू रेल मंडल में ट्रैक, सिग्नल प्रणाली और अन्य तकनीकी व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है। इसी क्रम में 25 मार्च को पंडित दीनदयाल उपाध्याय (मुगलसराय) जंक्शन से गया, कोडरमा, पारसनाथ होते हुए धनबाद तक 180 किमी प्रतिघंटा का स्पीड ट्रायल किया जाएगा। इस ट्रायल में पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, दोनों मंडलों के डीआरएम समेत कई वरिष्ठ अधिकारी विशेष ट्रेन में सवार रहेंगे। ट्रायल को लेकर रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। सोमवार से कोडरमा-गया रेलखंड पर पीडब्ल्यूआई और आरपीएफ की टीमों की तैनाती कर दी गई है। रेल लाइन के आसपास रहने वाले लोगों, मवेशी पालकों और पैदल यात्रियों से अपील की गई है कि वे ट्रैक पार करने से बचें।

पूर्व-मध्य रेलवे के सीपीआरओ सरस्वती चंद ने बताया कि आने वाले समय में दिल्ली से हावड़ा के बीच ट्रेनें 160 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेंगी। इसके लिए ट्रैक के दोनों ओर सुरक्षा दीवार भी बनाई जा रही है। इससे पूर्व धनबाद-गया रेलखंड पर एलएचबी कोच के साथ 160 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से ट्रायल किया गया था। कवच सुरक्षा प्रणाली से लैस इंजन के साथ सेकेंड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी और एसएलआर बोगियों को शामिल किया गया था।

रजवाडीह के पंचमुखी हनुमान मंदिर में दानपेटी तोड़ हजारों रुपये चोरी

PALAMU : पलामू जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत रजवाडीह गांव स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में शनिवार की रात चोरों ने मंदिर की दानपेटी तोड़कर हजारों रुपये चुरा लिए। जानकारी के अनुसार, रविवार को सुबह करीब 6 बजे जब स्थानीय लोग मंदिर पहुंचे, तब घटना का खुलासा हुआ। मंदिर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था, जिसे देखकर लोगों को चोरी की आशंका हुई। बाद में दानपेटी मंदिर से कुछ दूरी पर टूटी हुई मिली। स्थानीय लोगों ने बताया कि दानपेटी को कई महीनों के अंतराल पर ही खोला जाता था। अनुमान है कि दानपेटी में करीब 50 हजार रुपये मौजूद थे, जिसे चोर ले भागे। घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है।

मार्बल कारोबारी से रंगदारी मांगने वाले तीन अभियुक्त हुए गिरफ्तार

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

PHOTON NEWS PALAMU : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत मार्बल व्यवसायी से रंगदारी मांगने एवं जान से मारने की धमकी देने वाले 3 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हुसैनाबाद के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। अनुसंधान के क्रम में यह तथ्य सामने आया कि मुख्य अभियुक्त रविशंकर कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह (24) निवासी- शोबा, थाना हैदरनगर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से रंगदारी मांगने की साजिश रच रहा था। इस साजिश को अंजाम देने के लिए चोरी के मोबाइल फोन एवं सिम कार्ड का उपयोग किया जा रहा था, ताकि पहचान छिपाई जा सके। जांच में यह भी पाया गया कि अभियुक्त शुभम केशरी एवं अमन कुमार चौरसिया, दोनों निवासी मकबरा रोड, पुरानी बाजार जपला, थाना हुसैनाबाद, नशे की हालत में रहने वाले व्यक्तियों को निशाना बनाकर मोबाइल चोरी करते थे और उक्त मोबाइल एवं सिम कार्ड मुख्य अभियुक्त को उपलब्ध कराते थे। इन्हीं मोबाइल का उपयोग रंगदारी मांगने एवं जान से मारने की धमकी देने में किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में संलिप्त तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। इनकी निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त मोबाइल फोन, सिम कार्ड एवं अन्य चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस कांड में संलिप्त एक अन्य अभियुक्त प्रिंस कुमार उर्फ प्रिंस कुमार मेहता, निवासी- लोहरपुरा, थाना हैदरनगर, जिला पलामू, जो पूर्व के कांडों में भी वांछित है, की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

खेलकूद — चाईबासा के अलावा जमशेदपुर, धनबाद व देवघर में भी खेले जाएंगे लीग मैच, फाइनल 31 को

जेएससीए अंतर जिला महिला अंडर-23 क्रिकेट आज से

पश्चिमी सिंहभूम जिले की चयनित टीम
• फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में अंतर जिला महिला अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता 23 मार्च से प्रारंभ होने जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच सुबह 9 बजे से बोकारो व खूंटी के बीच खेला जाएगा। इसके बाद दोपहर 1 बजे से सिमडेगा का मुकाबला रामगढ़ से होगा। इसी तरह 24 मार्च को सुबह 9 बजे सिमडेगा बनाम खूंटी तथा दोपहर 1 बजे बोकारो का मुकाबला रामगढ़ से होगा। अंतिम लीग मैच 25 मार्च को सुबह 9 बजे रामगढ़ का मुकाबला खूंटी से तथा दोपहर 1 बजे बोकारो का मुकाबला सिमडेगा से होगा। पहला क्वार्टर फाइनल मैच 27 मार्च को सुबह 9 बजे, दोनों सेमीफाइनल मैच 29 मार्च तथा फाइनल मैच 31 मार्च को दोपहर 1 बजे से खेला जाएगा। ग्रुप लीग कम नॉकआउट क्रिकेट में राज्य की कुल 16 जिलों की टीम भाग ले रही है। जेएससीए द्वारा जारी टाई सीट के अनुसार, ग्रुप-ए में गत वर्ष की चैंपियन टीम बोकारो के साथ सिमडेगा, खूंटी एवं रामगढ़ को रखा गया है, जिसके सारे मैच चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसी तरह ग्रुप-बी में गत वर्ष की उपविजेता टीम रांची के साथ लोहरदगा, हजारीबाग एवं गुमला को रखा गया है, जिसके सारे मैच हजारीबाग के संजय सिंह स्टेडियम में होंगे। इसी तरह ग्रुप-सी में धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां एवं पश्चिमी सिंहभूम की टीम हैं, जिसके सभी मैच कीनन स्टेडियम जमशेदपुर में खेले जाएंगे तथा ग्रुप-डी के सारे मैच जिसमें मेजबान देवघर के अलावा पाकुड़, गिरिडीह एवं कोडरमा शामिल है, केके एन स्टेडियम देवघर में होंगे। पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के महासचिव असीम कुमार सिंह ने बताया कि 23 मार्च से शुरू होने वाले इस प्रतियोगिता की सभी तैयारी पूरी हो चुकी है। टी-20 की तर्ज पर खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता में प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे। पहला मैच सुबह 9 बजे से तथा दूसरा मैच दोपहर एक बजे से खेला जाएगा। जिला क्रिकेट संघ के महासचिव ने बताया कि सभी मैचों की स्कोरिंग ऑनलाइन होगी, जिसे क्रिकहीरोस एप पर लाइव देखा जा सकता है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली चारों टीमें चाईबासा पहुंच चुकी हैं। मैच के दोनों अंपायर रांची के प्रशांत कुमार एवं देवघर के अभिषेक आनंद तथा मैच पर्यवेक्षक रांची के मनोज सिंह भी चाईबासा पहुंच चुके हैं। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप-ए के 6 लीग मैच के अलावा एक क्वार्टर फाइनल, दोनों सेमी फाइनल तथा फाइनल मैच भी होंगे।

पश्चिमी सिंहभूम की टीम घोषित

CHAIBASA : अंतर जिला महिला अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए पश्चिमी सिंहभूम जिले की टीम घोषित कर दी गई है। पूरी टीम इस प्रकार है- चांदमुनी पुरती (कप्तान), यशोदा कुमारी, सीता सिंकु, प्रगति यादव, बेबी महतो, लक्ष्मी कुमारी, रोज कुल्लु, दिव्यांशी प्रिया, मेघा कुमारी नायक, अंशिका तिर्की, दिव्या गोप, डॉली कुमारी, आर्यन कुमारी, सुमा कुमारी व नेहा कुमारी। शिवानी सिंह तिरिया के नेतृत्व वाली महिला चयन समिति ने रविवार को संपन्न हुए पांच दिवसीय कैंप में खिलाड़ियों के फिटनेस व प्रदर्शन के आधार पर टीम को अंतिम रुप दिया गया है। चयनित टीम रविवार को जमशेदपुर रवाना हो गई। ज्ञात हो कि इस प्रतियोगिता में पश्चिमी सिंहभूम को पूर्वी सिंहभूम, धनबाद एवं सरायकेला-खरसावां के साथ ग्रुप-सी में रखा गया है, जिसके सारे मैच जमशेदपुर के कीनन स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में पश्चिमी सिंहभूम का पहला मैच 23 मार्च को दोपहर 1 बजे से धनबाद के विरुद्ध, दूसरा लीग मैच 24 मार्च को जमशेदपुर के खिलाफ सुबह 9 बजे से तथा अंतिम लीग मैच सरायकेला-खरसावां के विरूद्ध 25 मार्च को सुबह 9 बजे से खेला जाएगा।

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नियंत्रित किया जाएगा ट्रैफिक सिस्टम

पूरे राज्य में शुरू की जा चुकी है प्रक्रिया, स्मार्ट यातायात प्रणाली को डेवलप करने के लिए सभी जिलों से मांगी गई रिपोर्ट

नियमों का पालन व आम लोगों को कारगर व्यवस्था उपलब्ध कराना लक्ष्य, डीजीपी-आईजी सम्मेलन में हुआ निर्णय

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची सहित में परे झारखंड में यातायात व्यवस्था को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने के लिए इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने की दिशा में काम शुरू हो चुका है। इसके लिए व्यवस्थित प्लान पर क्रियान्वयन की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस नई व्यवस्था के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यातायात को नियंत्रित करने की योजना बनाई जा रही है। इसका उद्देश्य शहरों में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करना, नियमों का पालन सुनिश्चित करना और आम लोगों को बेहतर यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है। यह पहल केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद शुरू की गई है। देश स्तर पर आयोजित डीजीपी और आईजी सम्मेलन में इस विषय पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था। उसी के आधार पर अब झारखंड में भी इस दिशा में तैयारी शुरू कर दी गई है। राज्य पुलिस को इस व्यवस्था को लागू करने के लिए आवश्यक अध्ययन और योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

- सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को कंट्रोल कर हादसों और जाम से मिलेगी मुक्ति
- पुलिस डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा को बनाया गया है नोडल अधिकारी
- ट्रैफिक व्यवस्था का अध्ययन करने और नई प्रणाली के लिए आवश्यक सुझाव देने की सौंपी गई जिम्मेदारी

सिस्टम को अधिक वैज्ञानिक और तकनीक आधारित बनाना उद्देश्य

झारखंड पुलिस ने इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को विकसित करने के लिए प्रारंभिक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इस प्रणाली को लागू करने का मुख्य उद्देश्य यातायात प्रबंधन को अधिक वैज्ञानिक और तकनीक आधारित बनाना है। इसके माध्यम से सड़क पर वाहनों की आवाजाही को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकेगा और दुर्घटनाओं तथा जाम की समस्या को कम किया जा सकेगा। इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कोल्हन क्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्हें राज्य के सभी जिलों में उपलब्ध मौजूदा ट्रैफिक व्यवस्था का अध्ययन करने और नई प्रणाली के लिए आवश्यक सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

यातायात स्वचालित तरीके से हो सकेगा नियंत्रित

वर्तमान समय में कई शहरों में ट्रैफिक पुलिस बिना हेलमेट या रेड लाइट तोड़ने वाले वाहन चालकों को कैमरों के माध्यम से ऑनलाइन चालान भेजती है। हालांकि इसके बावजूद यातायात नियंत्रण का बड़ा हिस्सा अभी भी पुलिसकर्मियों द्वारा मैनुअल तरीके से संभाला जाता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद इस प्रणाली में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से यातायात को काफी हद तक स्वचालित तरीके से नियंत्रित किया जा सकेगा। इससे ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात पुलिसकर्मियों को भी काफी राहत मिलेगी और उन्हें हर समय मैनुअल नियंत्रण की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पहले की अपेक्षा अधिक प्रभावी बन जाएगा ट्रैफिक मैनेजमेंट

विशेषज्ञों का मानना है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और वाहनों की संख्या में वृद्धि के कारण पारंपरिक यातायात व्यवस्था अब पर्याप्त नहीं रह गई है। ऐसे में तकनीक आधारित प्रणाली की आवश्यकता महसूस की जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ट्रैफिक प्रबंधन व्यवस्था इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राज्य पुलिस का मानना है कि इस प्रणाली के लागू होने से यातायात प्रबंधन अधिक प्रभावी होगा। साथ ही सड़क सुरक्षा में भी सुधार देखने को मिलेगा। इससे दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आने की संभावना भी जताई जा रही है। फिलहाल झारखंड पुलिस की ओर से इस परियोजना के लिए प्रारंभिक अध्ययन का कार्य किया जा रहा है। सभी जिलों से प्राप्त होने वाली रिपोर्टों के आधार पर आगे की योजना तैयार की जाएगी और चरणबद्ध तरीके से इस प्रणाली को लागू करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित यह प्रणाली यातायात के प्रवाह का विश्लेषण करेगी और उसी के आधार पर ट्रैफिक सिग्नल को नियंत्रित करेगी। उदाहरण के तौर पर यदि किसी मार्ग पर वाहनों की संख्या अधिक है और दूसरे मार्ग पर कम है, तो सिस्टम स्वतः सिग्नल के समय को बदल देगा।

BRIEF NEWS

सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर 25 को हो सकती है बैठक

RANCHI : मुख्य सूचना आयुक्त व अन्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए 25 मार्च को बैठक किए जाने की संभावना है। सीएम आवास में यह बैठक होगी जिसमें नेता प्रतिपक्ष भी शामिल होंगे। इसके अलावा लोकायुक्त झारखंड की नियुक्ति के लिए भी अलग से बैठक की जाएगी। कार्मिक विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह प्रयास हो रहा है कि राज्य में जल्द ही सूचना आयुक्तों के रिक्त पदों को भरा जाए। वहीं, सालों से खाली लोकायुक्त के पद पर भी चयन किया जाए। मिली जानकारी के अनुसार सिर्फ सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए वर्तमान में 200 से अधिक आवेदन आए हैं वहीं, पहले से भी बड़ी संख्या में आवेदन पेंडिंग हैं। इनमें बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार भी शामिल हैं।

रोटरी क्लब के किड्स कार्निवल में बच्चों ने की मस्ती

RANCHI : रोटरी क्लब ऑफ रांची ने रविवार को किड्स कार्निवल का आयोजन किया, जिसमें करीब 60 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा और राजीव चड्ढा ने किया। कार्निवल में बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए कई रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें दीया मेकिंग, ब्लॉक पेंटिंग, कोस्टर पेंटिंग और डाइनिंग एटीकेट्स जैसी एक्टिविटीज शामिल थीं। इसके माध्यम से बच्चों ने नए कौशल सीखे। स्वाति काबरा ने बच्चों को क्रिएटिव कार्यों की ट्रेनिंग दी, जबकि रितिका लखोटिया ने उन्हें डाइनिंग एटीकेट्स की जानकारी दी। इसके अलावा बच्चों ने विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद लिया और स्वादिष्ट व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया।

रेडियोलॉजी टेस्ट कर रही कृष्णा डायग्नोस्टिक को काम देने की तैयारी

सदर में लगेगा पेट सीटी स्कैन कैंसर मरीजों का होगा इलाज

VIVEK SHARMA RANCHI : राजधानी के दूसरे सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सदर हॉस्पिटल में अब अत्याधुनिक पेट सीटी स्कैन मशीन लगाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी टेंडर में एजेंसी को फाइनल कर लिया गया है। हॉस्पिटल में पहले से रेडियोलॉजी टेस्ट कर रही एजेंसी कृष्णा डायग्नोस्टिक को काम देने की तैयारी है। वर्क ऑर्डर जारी होते ही परिसर में इस हाईटेक सेंटर बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। बता दें कि हॉस्पिटल में यह मशीन कैंसर मरीजों के लिए लाइफलाइन साबित होगी।

देशभर का पहला डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल : यह पहल इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि जिला स्तर पर यह देश का पहला सरकारी अस्पताल होगा, जहां पेट सीटी स्कैन जैसी हाईटेक मशीन उपलब्ध कराई जाएगी। मशीन का संचालन पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर किया जाएगा, जिससे इसकी सेवाएं बेहतर और व्यवस्थित तरीके से मरीजों तक पहुंच सकेगी।

पेट सीटी स्कैन मशीन मुख्य रूप से कैंसर की जांच में उपयोगी होती है। इससे कैंसर के स्टेज, शरीर में उसके फैलाव और इलाज की प्रभावशीलता का सटीक आकलन किया जाता है। अभी तक इस जांच के लिए मरीजों को प्राइवेट डायग्नोस्टिक सेंटरों या दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था। लेकिन अब मरीजों को रांची में ही टेस्टिंग की सुविधा मिलने लगेगी।

प्राइवेट लैब्स में पूरे शरीर का पेट सीटी स्कैन कराने में 18,000 से 24,000 रुपये तक खर्च आता है। ये आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए काफी ज्यादा होता है। खासकर कैंसर मरीजों को हर तीन से छह महीने में यह जांच करानी पड़ती है, जिससे जेब पर खर्च और बढ़ जाता है। सदर अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने के बाद मरीजों को कम लागत में जांच उपलब्ध हो सकेगी, जिससे हजारों परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी।

कई बीमारियों की पहचान भी संभव : हालांकि पेट सीटी स्कैन का सबसे ज्यादा उपयोग कैंसर की जांच के लिए होता है, लेकिन यह तकनीक न्यूरोलॉजिकल और हार्ट से जुड़ी बीमारियों की पहचान में भी बेहद कारगर साबित होती है। इससे डॉक्टरों को मरीज की बीमारी की सटीक जानकारी मिलती है, जिससे इलाज की बेहतर योजना बनाई जा सकती है।

वर्क ऑर्डर के साथ ही मशीन लगाने की शुरू कर दी जाएगी प्रक्रिया, कम पैसे में होगी जांच

मजबूत होगा राज्य का स्वास्थ्य ढांचा

एक्सपर्ट्स की मानें तो इस तरह की हाईटेक मेडिकल सुविधा सरकारी अस्पताल में शुरू होने से राज्य का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत होगा। झारखंड लंबे समय से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से जूझ रहा है, ऐसे में यह पहल एक बड़ा कदम साबित हो सकती है। चूंकि सदर हॉस्पिटल को रेडियोलॉजी हब के रूप में भी विकसित किया जा रहा है, ऐसे में इस सेंटर का फायदा राज्य के सभी डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटलों को मिलेगा। वहीं मरीजों का बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जा सकेगा।

अब तक किसी जिला सरकारी अस्पतालों में नहीं थी सुविधा

अब तक सरकारी क्षेत्र के डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटलों या बड़े अस्पतालों में इस तरह की उन्नत सुविधा उपलब्ध नहीं थी। मरीजों को मजबूरी में प्राइवेट संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता था। रांची के सदर हॉस्पिटल में पेट सीटी स्कैन मशीन लगने से न केवल झारखंड के मरीजों को लाभ मिलेगा, बल्कि पड़ोसी राज्यों से आने वाले के मरीज भी इसका फायदा उठा सकेंगे। हालांकि आसपास के राज्यों से भी मरीज इलाज के लिए रांची पहुंच रहे हैं। ऐसे में बाहर के मरीज भी यहां पर बेहतर इलाज पा सकेंगे।

चैती छठ नहाय-खाय के साथ शुरू, 25 मार्च को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ होगा समापन

PHOTON NEWS RANCHI : लोक आस्था और सूर्य उपासना का महान पर्व चैती छठ रविवार को नहाय-खाय के साथ श्रद्धा और भक्ति के माहौल में शुरू हो गया। चार दिनों तक चलने वाला यह कठिन व्रत प्रकृति, शुद्धता और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है, जिसमें व्रती कठोर नियमों का पालन करते हुए भगवान भास्कर की आराधना करते हैं।

यह महापर्व 25 मार्च को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न होगा। परंपरा के अनुसार पहले दिन नहाय-खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य और अंतिम दिन उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। पुरोहित मनोज पांडेय के अनुसार, इस वर्ष छठ पर्व पर विशेष शुभ योग का संयोग बन रहा है। नहाय-खाय के दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है, जबकि खरना के दिन देवी स्कंद माता की आराधना होती है। संध्या अर्घ्य के दिन माता कात्यायनी और प्रातः अर्घ्य के समय माता कालरात्रि की पूजा का विशेष महत्व है। चैत्र नवरात्र के साथ पड़ने के कारण व्रत करने वाले श्रद्धालुओं को छठी मैया के साथ इन देवियों का भी विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है।

छठ महापर्व के कार्यक्रम

23 मार्च : खरना (रात 8:42 बजे तक) 24 मार्च : संध्या अर्घ्य (सूर्यास्त लगभग 6:00 बजे) 25 मार्च : प्रातः अर्घ्य (सूर्योदय सुबह 5:49 बजे) धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को करने से बल, आरोग्य, समृद्धि और संतान सुख की प्राप्ति होती है। विशेष रूप से संतान की कामना करने वाली महिलाओं के लिए यह व्रत अत्यंत फलदायी माना गया है। राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में इस पर्व को लेकर भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है। घाटों की सफाई, पूजन सामग्री की खरीदारी और तैयारियों का दौर जारी है, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया है।

परिवहन विभाग ने सभी जिलों में सुरक्षा को ले जागरूकता अभियान चलाने पर दिया जोर

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने सभी जिलों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। विभाग ने सभी जिले के अधिकारियों को कहा है कि जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक नियमित रूप से की जाए। साथ ही उन बैठकों में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की रिपोर्ट भी समय-समय पर विभाग ने मांगी है। दरअसल, विभागीय समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी जिलों में समिति की नियमित बैठक कर सड़क सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करें और आवश्यक कदम उठाएं। निर्देश में यह कहा गया है कि समिति की बैठकों में दुर्घटना संभावित स्थलों, ब्लैक स्पॉट, सड़क संकेतों की स्थिति, यातायात नियमों का पालन, ओवरलोडिंग, तेज गति और हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग जैसे मुद्दों की पर समीक्षा की जाये। ब्लैक स्पॉट को अविलंब चिह्नित कर उसे ठीक करने को कहा गया है। इसके अलावा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाने और आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने पर भी बल दिया गया है। परिवहन विभाग का मानना है कि जिला स्तर पर नियमित समीक्षा और समन्वित प्रयासों से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाई जा सकती है और आम लोगों को अधिक सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सकती है।

श्री श्याम संघ के रक्तदान शिविर में 113 यूनिट रक्त संग्रहित

RANCHI : श्री श्याम संघ की ओर से रविवार को माहेश्वरी भवन में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान 113 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि रांची नगर निगम की मेयर रोशनी खलखो ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। इसलिए हर किसी को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। मौके पर शिविर के संयोजक अभिषेक चौधरी और रूपेश लोहिया ने कहा कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और समाज में जागरूकता फैलाना है।

ट्रांसजेंडर समुदाय ने किया प्रदर्शन, राज्य सरकार से की सुविधाएं देने की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को अल्बर्ट एक्का चौक में ट्रांसजेंडर समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किया। इसमें पूर्वी सिंहभूम,पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, रामगढ़, हजारीबाग और से रांची से समुदाय के लोग शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने आजादी के नारे लगाए। उत्थान समिति के सचिव ने कहा कि लोकसभा में जो बिल पारित हुआ है, उसे ट्रांसजेंडर सामुदायिक के अस्तित्व का हनन है। ट्रांसजेंडर समुदाय शुरू से अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ता आया है। उन्होंने कहा कि नालसा जजमेंट 2014 में आया, जिसमें ट्रांसजेंडर समुदाय को तृतीय लिंग का अधिकार दिया। बहुत से अधिकारों के साथ सभी राज्य सरकारों को ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड बनाने को कहा गया। झारखंड में भी 10 साल तक ट्रांसजेंडर वेल्फेयर बोर्ड नहीं बना फिर जा कर उत्थान सीबीओ ने रांची हाईकोर्ट में पीआईएल दर्ज किया तो बोर्ड का गठन किया गया। लेकिन, आज भी उस पर कोई काम नहीं हो रहा है।

सदस्यों ने कहा कि पूरे झारखंड में उत्थान संस्था ही एकमात्र काम कर रही हैं। ट्रांसजेंडर समुदाय को हर तरह से सहयोग करती है। अगर इस तरह का बिल आएगा तो समुदाय को बहुत परेशानी होगी। आज तक झारखंड में आश्रय गृह, सामुदायिक भवन यहां तक कि झारखंड सरकार ने 2 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही थी। लेकिन, आज तक ये नहीं हो पाया। कोर्ट का आदेश था कि सबसे पहला मौका या किसी तरह का काम सीबीओ को देना है तो क्यों सरकार ध्यान नहीं देती।

- पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, रामगढ़, हजारीबाग और रांची से समुदाय के लोग हुए शामिल

कारगर पहल ग्रामीण कार्य विभाग ने अटकी परियोजनाओं को रफ्तार देने के लिए किया फैसला

सड़कों और पुलों के लिए जरूरत पड़ने पर किया जाएगा भू-अर्जन

वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रारंभिक तौर पर पांच करोड़ रुपये का किया गया है बजटीय प्रावधान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और पुल निर्माण परियोजनाओं को जमीन के अभाव से होने वाली देरी से बचाने के लिए ग्रामीण कार्य विभाग ने विशेष परिस्थिति में भू-अर्जन की व्यवस्था प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। सामान्यतः इन योजनाओं में भूमि अधिग्रहण का प्रावधान नहीं होता, लेकिन अब वित्तीय वर्ष 2026-27 में इसके लिए प्रारंभिक तौर पर पांच करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रतीकात्मक फोटो

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग अंतर्गत कई परियोजनाएं क्रियान्वित है। इनमें प्रमुख रूप केंद्र प्रायोजित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, आरसीपीएलडब्ल्यूइए, पीएन जनमन योजना तथा राज्य से मुख्यमंत्री ग्रामीण पुल योजना हैं। इन योजनाओं के तहत बनने वाले पथों और पुलों के लिए कई बार अतिरिक्त जमीन की आवश्यकता पड़ती है। खासकर पुलों के एप्रोच रोड और सड़कों के पहुंच मार्ग के लिए भूमि उपलब्ध नहीं होने से परियोजनाएं लंबे समय तक अटक जाती थीं।

कई मामलों का हुआ समाधान

राज्य गठन के बाद से बड़ी संख्या में ऐसी योजनाएं प्रभावित हुईं, जहां पहुंच पथ के लिए न्यूनतम चौड़ाई की जमीन नहीं मिलने से निर्माण कार्य बाधित हुआ। बाद में कई मामलों का समाधान किया गया, लेकिन भू-अर्जन के स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के कारण प्रक्रिया जटिल बनी रही। अब विभाग आवश्यकता के अनुसार भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत जमीन लेने की कार्रवाई करेगा, ताकि ग्रामीण संपर्क मार्ग और पुल निर्माण समय पर पूरे हो सकें। इस निर्णय से वैसे प्रोजेक्ट को गति मिलने की उम्मीद है, जो केवल पहुंच मार्ग के अभाव में लंबित थीं।

मारवाड़ी युवा मंच रांची की नई कमेटी के अध्यक्ष बने विकास अग्रवाल

RANCHI : मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा के सत्र 2026-27 के लिए नई कमिटी ने पदभार ग्रहण कर लिया। अपर बाजार स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित भव्य समारोह में नवगठित टीम ने सामाजिक सेवा और संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद पूर्व अध्यक्ष ने विकास अग्रवाल को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। साथ ही पूरी टीम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। समारोह में 100 से अधिक युवा सदस्य मौजूद रहे। अध्यक्ष विकास अग्रवाल ने कहा कि वे टीम के साथ मिलकर संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे और रांची शाखा को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट बनाने का प्रयास करेंगे।

सरहुल शोभायात्रा में बिछड़े मासूम को रांची पुलिस ने पहुंचाया पिता के पास

PHOTON NEWS RANCHI : प्रकृति पर्व सरहुल की शोभायात्रा के दौरान शनिवार देर शाम कचहरी चौक के पास एक मासूम बच्चा भीड़ में अपने परिवार से बिछड़ गया। लावारिस हालत में मिले बच्चे को आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सौंप दिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बच्चे को सीसीआर कंट्रोल रूम में सुरक्षित रखा और उसके परिजनों की तलाश शुरू कर दी। कंट्रोल रूम से सभी थानों को सूचना भेजी गई। साथ ही वायरलेस और सोशल मीडिया के जरिए भी बच्चे के परिवार तक पहुंचने का प्रयास किया गया। पूरी रात पुलिस बच्चे के परिजनों को ढूंढ़ती रही। रविवार सुबह बच्चे के परिवार को उसकी जानकारी मिली। इसके बाद उसकी दादी और मौसी सीसीआर कंट्रोल रूम पहुंचीं। परिजनों ने बताया कि बच्चे की मां का पहले ही निधन हो चुका है, जबकि पिता बीमार हैं। सरहुल शोभायात्रा में शामिल होने के दौरान कचहरी चौक पर भीड़ में बच्चा उनसे बिछड़ गया था। रातभर परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन बच्चा नहीं मिला। शुरूआत में बच्चा दादी और मौसी के साथ जाने में झिझक रहा था। इसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के निर्देश पर कोतवाली और गोंदा थाना की पुलिस टीम ने बच्चे और उसके परिजनों को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया।

समाचार सार

चैत्र नवरात्र पर बिरसानगर में लगा ब्रह्मध्वज

JAMSHEDPUR : नवसंवत्सर पर बिरसानगर (बारीडीह) स्थित श्रीश्री नर्मदेश्वर शिव एवं संकटमोचन हनुमान मंदिर प्रांगण में सामूहिक ब्रह्मध्वज का पूजन सात्विक एवं चैतन्यमय वातावरण में हुआ। इस अवसर पर हिंदू जनजागृति समिति के बीवी कृष्णा ने सपत्नीक बड़े भाव के साथ ब्रह्मध्वज का पूजन किया तथा सुदामा शर्मा ने पूजा विधि बताई और शास्त्रानुसार व शुद्ध विधि से ब्रह्मध्वज लगाया गया। नववर्ष की प्रतिपदा पर सनातन भारतीय संस्कृति संस्था द्वारा धर्मशास्त्र, अध्यात्म, साधना आदि विषयों पर प्रकाशित ग्रंथ व सात्विक वस्तु-साहित्य की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धर्मनिष्ठ उपस्थित थे।

आभार मिलन के बहाने विधायक ने दिखाई ताकत

GHATSILA : घाटशिला के विधायक सोमेशचंद्र सोरेन ने रविवार को बड़ाजुड़ी स्थित मुक्तिधारा रिसॉर्ट में आभार मिलन समारोह का आयोजन किया। इसके बहाने उन्होंने झामुमो की एकजुटता व अपनी ताकत भी दिखा दी। उपचुनाव में अपनी जीत का श्रेय उन्होंने झामुमो के नेताओं व कार्यकताओं को दिया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के परिवहन व भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा के अलावा बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार मोहंती, मनोहरपुर के विधायक जगत माझी, झारखंड राज्य गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजू गिरी, पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, जिला परिषद की अध्यक्ष बारी मुर्मू के अलावा स्व. रामदास सोरेन की पत्नी सूरजमोनी सोरेन आदि भी उपस्थित थीं।

रोरो नदी पर मंत्री ने किया पुल का शिलान्यास

CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूमी जिला अंतर्गत सदर प्रखंड के रोरो नदी पर मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत बनने वाले पुल का शिलान्यास मंत्री दीपक बिरुवा ने रविवार को किया। करीब 4 करोड़ की लागत से बनने वाला यह पुल पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा को सरायकेला-खरसावां जिला से जोड़ेगा। इस पुल का निर्माण चाईबासा के सदर प्रखंड अंतर्गत गाईसूटी पंचायत स्थित कांकी गांव से गिनडीमुंडी जाने वाले रास्ते पर होगा। इस मौके पर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष सतीश सुंडी, मंगल सिंह तियू, मानाराम कुदादा, राजू सुंडी, प्रधान गोप, मनीष सुंडी, मुखिया अनिता तियू समेत अन्य मौजूद थे।

मुसाबनी में रखी गई डिग्री कॉलेज की नींव

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के मुसाबनी प्रखंड में रविवार को डिग्री कॉलेज की नींव रखी गई। 31 करोड़ 64 लाख की लागत से मुसाबनी के सिनेमा मैदान में इसकी आधारशिला राज्य के परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने रखी। इस अवसर विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी, पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, जिप अध्यक्ष बारी मुर्मू, दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन की पत्नी सूरजमनी सोरेन, उत्तरी बदिया की मुखिया रीना महाली, पंचायत समिति सदस्य अनिता सागर, पश्चिम मुसाबनी की मुखिया बसंती सोरेन आदि भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरदर्शी सोच के कारण दिवंगत शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का सपना आज साकार हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में यह डिग्री कालेज इस क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस वित्तीय वर्ष में ही दिवंगत रामदास सोरेन के हेंदलजुड़ी में जनजातीय विश्वविद्यालय बनाने का सपना भी पूरा होगा। इसके साथ ही विधायक सोमेश चंद्र सोरेन की मांग के अनुरुप मुसाबनी में मेडिकल कॉलेज को भी सरकार ने स्वीकृत कर दिया है। आने वाले समय में घाटशिला विधान सभा काफी बदला बदला दिखेगा और सही मायने में यह शिक्षा का हब बनेगा।

शहीदों के सम्मान में उमड़ा जनसैलाब जयकारों से गूंजती रही लौहनगरी

एग्रिको स्थित ट्रांसपोर्ट मैदान से भालूबासा, साकची, गोलमुरी में जगह-जगह हुआ अखंड तिरंगा यात्रा का स्वागत

PHOTON NEWS JSR : सामाजिक संस्था नमन परिवार द्वारा रविवार को अखंड तिरंगा यात्रा सह शहीद सम्मान यात्रा निकाली गई। लगभग 6.5 किलोमीटर लंबी इस भव्य यात्रा में हजारों राष्ट्रभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और देशभक्ति का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। यात्रा की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर मां भारती की तस्वीर तथा महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव की तस्वीरों पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देकर की। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों एवं शहीदों के परिजनों को सम्मानित कर उनके बलिदान को नमन किया गया, जिससे कार्यक्रम का माहौल भावुक एवं गौरवपूर्ण हो उठा। यात्रा की भव्यता देखते ही बन रही थी। सबसे आगे स्केटिंग टीम ने

साकची से गुजरती अखंड तिरंगा यात्रा ● फोटोन न्यूज

आकर्षक प्रदर्शन किया, जिसके पीछे बुलेट बाइकर्स की टीम, घुड़सवार दल, मां भारती का सुसज्जित रथ, विभिन्न देशभक्ति झांकियां, देशभक्ति गीतों के साथ ऑर्केस्ट्रा टीम एवं बैंड पार्टी ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें न कोई जाति बंधन, न धर्म बंधन, बल्कि सभी वर्गों के लोग एक साथ एकजुट होकर देशभक्ति के इस महाअभियान में शामिल हुए। अखंड तिरंगा यात्रा सह शहीद सम्मान यात्रा के दौरान भालूबासा, साकची, गोलमुरी सहित पूरे मार्ग में 100 से अधिक स्थानों पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यावसायिक व सांस्कृतिक संगठनों ने सेवा शिविर लगाए थे। कई स्थानों पर पुष्पवर्षा भी की गई।

इनकी भी रही सहभागिता

आयोजन को पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद बिद्युत बरण महतो, नमन संस्था के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले, इंटक नेता राकेश्वर पांडेय, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के वरुण कुमार ने भी संबोधित किया। यात्रा में रामश्रय प्रसाद, बृजभूषण सिंह, जयप्रकाश राय, चंद्रगुप्त सिंह, डॉ. एसएस रजी, जे. बेहरा, राजेश कुमार शुक्ल, शंभूनाथ सिंह, आरएसएस के रविंद्र, एफकेएन कुजूर, सरयू पासवान, शेखर डे, कल्याणी शरण, त्रिपुरा झा, कमल किशोर, मुरलीधर केडिया, एसके सिंह, सरदार इंदरजीत सिंह, सरदार भगवान सिंह, सरदार गुरमीत सिंह तोते, सरदार कुलविंदर सिंह पन्नू, बिजय खां, विकास सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह, अजय सिंह, रविंद्र झा नट्टू, बिनोद सिंह, शिवशंकर सिंह, शशि भूषण प्रसाद, आरके सिंह, संजीव श्रीवास्तव, रामबाबू तिवारी, सुधांशु ओझा, संजीव सिंह, राजकुमार श्रीवास्तव, बॉबी सिंह, मानव केडिया, भूपेंद्र सिंह, गुंजन यादव, चंद्रशेखर मिश्रा, राजन सिंह, रीता मिश्रा, राजपति देवी, कुसुम पूर्ति, कविता परमार, मंजू सिंह, नीरू सिंह, नीलू मछुआ, राजू गिरी, नितिन त्रिवेदी, बलविंदर सिंह, लता सिन्हा, डालिया, पुष्पा सरदार, राधिका सहित बड़ी संख्या में गणमान्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक भव्य, प्रभावशाली एवं ऐतिहासिक बना दिया।

बाल मंदिर अखाड़ा धूमधाम से मनाएगा 51वां रामनवमी महोत्सव, आज होगा सुंदरकांड पाठ

PHOTON NEWS JSR: साकची स्थित श्रीश्री बाल मंदिर अखाड़ा इस बार 51वां रामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाएगा। कमेटी के मुख्य संरक्षक सुमन अग्रवाल ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि 1976 में स्थापित बाल मंदिर इस वर्ष अपने 51वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस अवसर पर विशेष आयोजन किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 23 से 27 मार्च तक छह दिवसीय कार्यक्रम होंगे। साकची बाजार स्थित झंडा चौक पर भव्य राम दरबार एवं मंदिर का निर्माण किया जा रहा है, जहां रामलला की प्रतिमा का दर्शन भी कराया जाएगा। 23 मार्च को संगीतमय सुंदरकांड पाठ से महोत्सव की शुरूआत होगी, जबकि 24 मार्च को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास उद्घाटन करेंगे और सामाजिक

पत्रकारों को संबोधित करते कमेटी के मुख्य संरक्षक सुमन अग्रवाल

संस्थाओं का सम्मान होगा। 25 मार्च को दीप उत्सव, महाआरती और रंगोली के माध्यम से प्रभु श्रीराम की झांकी प्रस्तुत की जाएगी। 26 मार्च को बाल हनुमान साज-सज्जा प्रतियोगिता और झांकियां होंगी। 27 मार्च को भव्य शोभा यात्रा निकलेगी, जिसमें हरियाणा से आई टीम की विशेष प्रस्तुतियां, आतिशबाजी और आकर्षक झांकियां शामिल होंगी। इस कार्यक्रम की तैयारी कमिटी की ओर से शुरू कर दी गयी है। लाईटों से आयोजन स्थल व आस पास के सड़कों को सजाया जा रहा है। 28 मार्च को विसर्जन दशमी जुलूस शाम 4 बजे निकाला जाएगा। पूरे साकची क्षेत्र को भगवा बजरंगबली के पताकों से सजाया गया है, जबकि चंदननगर के कारीगरों द्वारा की गई आकर्षक विद्युत सज्जा लोगों को आकर्षित कर रही है। भव्य पूजा पंडाल और राम दरबार की स्थापना भी की गई है। पिछले 51 वर्षों से बाल मंदिर अखाड़ा इस महोत्सव का आयोजन करता आ रहा है। कमेटी के सुमन अग्रवाल ने शहरवासियों और रामभक्तों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

चैती छठ को लेकर 24 व 25 मार्च को जमशेदपुर में रहेगी नो एंट्री

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में चैती छठ की तैयारी शुरू हो गई है। जिला प्रशासन ने इसे लेकर शहर में नो एंट्री लगा दी है। नो एंट्री का आदेश डीसी कर्ण सत्यार्थी, एसएसपी पीयूष पांडे और डीएसपी-ट्रैफिक के संयुक्त हस्ताक्षर से रविवार को जारी कर दिया गया है। यह नो एंट्री 24 मार्च से लेकर 25 मार्च तक रहेगी। आदेश के अनुसार 24 मार्च को दोपहर बाद 3 बजे से नो एंट्री शुरू हो जाएगी। 24 मार्च को यह नो एंट्री रात 11 बजे तक लागू रहेगी। 24 मार्च को रात 11 बजे से अगले दिन 25 मार्च को दोपहर बाद 3 बजे तक नो एंट्री नहीं रहेगी। इस दौरान भारी वाहन शहर में आ-जा सकते हैं। इसके बाद, 25 मार्च को दोपहर 3 बजे से नो एंट्री फिर शुरू होगी और रात 11 बजे तक चलेगी। इसके बाद, नो एंट्री खत्म कर दी जाएगी। नो एंट्री के दौरान शहर में सभी प्रकार के भारी व्यावसायिक वाहनों का परिचालन पूरी तरह से बंद रहेगा। यात्री बसों को कहीं भी आने-जाने की छूट रहेगी। इसके अलावा, इमरजेंसी सेवाओं में लगे वाहन भी आ-जा सकेंगे।

तुलसी भवन के न्यासी अरुण कुमार तिवारी का निधन

JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन के न्यासी, अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के पूर्व प्रवर समिति सदस्य, लघु उद्योग भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, कोल्हान क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी अरुण कुमार तिवारी (83) का रविवार को प्रातः 4 बजे निधन हो गया। वे कई दिनों से बीमार चल रहे थे। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए।

उनका अंतिम संस्कार दोपहर बाद बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट पर किया गया। अंतिम संस्कार में तुलसी भवन से जुडे. कार्यकारिणी सदस्यों एवं साहित्यकारों में मुरलीधर केडिया, इंदर अग्रवाल, सुभाषचंद्र मुनका, डॉ. प्रसेनजित तिवारी, विमल जालान, विद्यासागर लाभ, प्रसन्न वदन मेहता, वंदे शंकर

अरुण कुमार तिवारी की फाइल फोटो

सिंह, डॉ. यमुना तिवारी व्यथित, डॉ. अजय कुमार ओझा, कैलाश नाथ शर्मा 'गाजीपुरी', वसंत जमशेदपुरी, अशोक पाठक स्नेही, सुरेश चंद्र झा, ब्रजेंद्रनाथ मिश्र, नीलांबर चौधरी, शेषनाथ सिंह शरद, राजेंद्र राज, डॉ. अरुण कुमार शर्मा, राजेंद्र सिंह, भंजदेव देवेंद्र कुमार व्यथित, जितेश तिवारी, राजेश साहु के अलावा अन्य साहित्यकार व समाजसेवियों ने शमशान घाट पहुंच कर श्रद्धांजलि दी।

एलएलबी की प्रवेश परीक्षा में 301 हुए शामिल, 158 रहे अनुपस्थित

परीक्षा केंद्र पर उपस्थित शिक्षक व पर्यवेक्षक ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय में लंबे समय से लंबित शैक्षणिक सत्रों को नियमित करने की कवायद अब रंग लाने लगी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मात्र 6 महीने के भीतर सत्र 2024-27 के बाद अब सत्र 2025-28 के लिए भी प्रवेश परीक्षा का सफल आयोजन कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 10 मार्च को नामांकन और परीक्षा से संबंधित सूचना जारी की गई थी और विश्वविद्यालय ने रिकॉर्ड 12 दिनों के भीतर सभी तैयारियां पूरी कर परीक्षा आयोजित कर ली। को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में नामांकन के लिए आयोजित इस प्रवेश परीक्षा के लिए जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज को केंद्र बनाया गया था। परीक्षा के लिए कुल 459 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। इसमें से 301 उपस्थित रहे, जबकि 158 अनुपस्थित रहे। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने मोर्चा संभाला। परीक्षा विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ. प्रभात कुमार सिंह पर्यवेक्षक के रूप में केंद्र पर मुस्तैद रहे। केंद्राधीक्षक डॉ. अमर सिंह के नेतृत्व में परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंतरा कुमारी, उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. स्वाति सोरेन और वित्त विभाग के ओएसडी डॉ. अशोक रब्बानी ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया।

आज चक्रधरपुर आएंगे रेल जीएम

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) अनिल कुमार मिश्रा 23 मार्च को एक दिवसीय दौरे पर चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय आने वाले हैं। उनके प्रस्तावित दौरे को लेकर मंडल स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं, वहीं दूसरी ओर आम रेल यात्रियों और स्थानीय जनता के बीच कई गंभीर मुद्दों को लेकर बेचैनी और उम्मीद दोनों बनी हुई है। सबसे बड़ा सवाल ट्रेनों की लगातार लेटलतीफी को लेकर उठ रहा है। चक्रधरपुर रेल मंडल में ट्रेनों के 8 से 10 घंटे तक देरी से चलने की शिकायत आम हो चुकी है। कई मामलों में तो ट्रेनें मंडल के भीतर ही 4 से 5 घंटे तक लेट हो जाती हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसका सीधा असर रोजगार, छात्रों की पढ़ाई, मरीजों के इलाज और अन्य जरूरी कार्यों पर पड़ रहा है। इसके अलावा रेल मंडल में बढ़ते हादसे, संसाधनों के दुरुपयोग, ट्रांसफर-पोस्टिंग में कथित अनियमितता, निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार, टिकट दलाली और रेलवे स्टेशनों पर बढ़ते अपराध जैसे मुद्दे भी लगातार चर्चा में हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ये समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं, लेकिन समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं हो रही है।

बिरसानगर में बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी

JAMSHEDPUR : बिरसानगर थाना क्षेत्र स्थित जोन नंबर-6 में बंद पड़े एक मकान को चोरों ने निशाना बनाया है। शनिवार की देर रात चोरों ने घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद रविवार को मामला थाने तक पहुंचा। यहां पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि मकान मालिक सुमन कुमार सिंह का पूरा परिवार बेंगलुरु में शिफ्ट हो चुका है और वे कभी-कभार ही जमशेदपुर स्थित अपने घर आते हैं। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने सुनसान पड़े घर को निशाना बनाया। चोरी की इस घटना में चोरों के हाथ मुख्य रूप से सीसीटीवी से जुड़े उपकरण लगे हैं। घर में नकदी या जेवर नहीं होने के कारण अन्य कीमती सामान

सुरक्षित हैं। हालांकि, चोरों ने निगरानी प्रणाली को ही नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि चोरी की पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया है, जिसकी पहचान करने में पुलिस जुटी हुई है। घटना शनिवार को आधी रात से लेकर रविवार सुबह के बीच की बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि मामले का खुलासा हो सके।

बारीडीह से जेवरात की चोरी मामले का आरोपी पकड़ाया

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बारीडीह ट्यूब कॉलोनी में 7 मार्च को हुई जेवरात चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने बिरसानगर के रहने वाले विक्की लोहार उर्फ बोंडा को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चुराए गए लगभग 15 लाख रुपये के सोने के जेवरात बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने विक्की लोहार को जेल भेज दिया। रविवार को थाना प्रभारी फैज अहमद ने बताया कि ट्यूब कॉलोनी के क्वार्टर नंबर दस के रहने वाले अभय कुमार 7 मार्च को अपने परिवार के साथ शहर से बाहर गए हुए थे। 19 मार्च को लौटे तो देखा कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। अंदर से गहने गायब थे। उन्होंने सिदगोड़ा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। तकनीक का सहारा लिया गया। मुखबिरों का भी जाल फैलाया गया और पुलिस को पता चला कि घटना को विक्की लोहार ने अंजाम दिया है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने घटना को अंजाम देने की बात कबूल कर ली।

पर्यावरण समाहरणालय सभागार में हुआ विश्व जल दिवस-सह-जल महोत्सव पखवाड़ा का समापन

जल संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले मुखिया व जलसहिया सम्मानित

PHOTON NEWS JSR : विश्व जल दिवस- सह- जल महोत्सव पखवाड़ा का समापन समारोह रविवार को समाहरणालय सभागार में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि जल जीवन का आधार है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने, जल के दुरुपयोग को रोकने तथा जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण अभियान को मजबूत करने पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान जिले में बेहतर कार्य करने वाले मुखिया व जलसहियाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित

जलसहिया को सम्मानित करते उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी

किया गया। उपायुक्त ने जलापूर्ति व्यवस्था के संचालन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने तथा जनजागरूकता में जलसहियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने जल संरक्षण की शपथ ली तथा दैनिक जीवन में जल बचाने के उपाय अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जल संरक्षण से संबंधित योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम में कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल जमशेदपुर एवं आदित्यपुर सहित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को नियमित जलशुल्क के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश : इस अवसर पर 8 मार्च से 22 मार्च तक आयोजित विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जल संरक्षण, जल के समुचित उपयोग तथा योजनाओं के बेहतर रख-रखाव पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने विश्व जल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जलसहियाओं को ग्रामीणों को नियमित रूप से जल शुल्क जमा करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया, ताकि जलापूर्ति योजनाओं का सतत संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य में पूर्ण होने वाली जल जीवन मिशन योजनाओं के सफल संचालन एवं रखरखाव के लिए बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करने पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी मुखिया एवं जलसहिया ने अपने-अपने पंचायत एवं गांवों में संचालित नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन, अनुभव एवं योगदान को साझा किया।

कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, जमशेदपुर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में सभी सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक, प्रखंडवार समन्वयक, मुखिया एवं जलसहिया सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बर्मामाइंस से किशोरी का हुआ अपहरण, दबोचा गया आरोपी

JAMSHEDPUR : बर्मामाइंस थाना क्षेत्र से एक नाबालिग किशोरी के अपहरण का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गौरतलब है कि 16 वर्षीय नाबालिग को 21 मार्च को दिन के करीब 2 बजे कैरेज कॉलोनी इलाके से बहला-फुसलाकर ले जाया गया था। लड़की के अचानक लापता होने के बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो उन्होंने बर्मामाइंस थाना में शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने जुगसलाई के मिल्लत नगर निवासी मो. कैसर को आरोपी बनाया।

शिकायत मिलते ही पुलिस टीम ने छापेमारी कर आरोपी को

गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है। इसके साथ ही किशोरी का मेडिकल टेस्ट कराया गया है।

सोमवार को कोर्ट में उसका बयान दर्ज कराया जाएगा। नाबालिग की सुरक्षा को लेकर पुलिस आवश्यक कदम उठा रही है।

सीएम ने रखी 'उन्नत बिहार : उज्ज्वल बिहार' की आधारशिला, दी बधाई

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार दिवस समारोह का दीप प्रज्वलित कर किया उद्घाटन

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऐतिहासिक गांधी मैदान में बिहार दिवस समारोह 2026 (22-24 मार्च) कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन रविवार को दीप प्रज्वलित कर एवं गुब्बारा उड़ाकर किया। समारोह में अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग डॉ बी राजेन्दर ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। बिहार के 114 वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम की थीम 'उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार' रखी गयी है। मुख्यमंत्री ने बिहार दिवस समारोह-2026 के उद्घाटन से पूर्व पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों से संबंधित लगाई गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने

कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं पर आधारित लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ उदयकांत ने पुष्प गुच्छ भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग के पवेलियन में लगायी गयी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु संवर्द्धन कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कला कक्ष, स्मार्ट क्लास, व्यावसायिक शिक्षा कक्ष, अटल टिंकरिंग लैब, आईसीटी कक्ष, ईको क्लब बाल संसद, खेल कक्ष, निपुण कक्ष, बाल वाटिका आदि का जायजा लिया। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, कृषि मंत्री रामकृपाल यादव, पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री लखेन्द्र कुमार रौशन, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा, विधान पार्षद ललन सर्राफ, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उदयकांत सहित अन्य वरीय पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

सीएम नीतीश ने प्रधानमंत्री को बिहार दिवस की शुभकामना देने पर प्रकट किया धन्यवाद

PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बिहार दिवस के अवसर पर राज्य के प्रति स्नेहपूर्ण संदेश के लिए समस्त बिहारवासियों की ओर से हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि आपने बिहार की समृद्ध विरासत, संस्कृति और प्रगति के प्रयासों की सराहना की है। हम राज्य के सर्वांगीण विकास, सामाजिक न्याय, सुशासन और आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। नीतीश ने कहा कि केन्द्र सरकार का पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है। अब बिहार और अधिक विकसित होगा तथा देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाएगा और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। आपके मार्गदर्शन एवं सहयोग से बिहार के कर्मठ एवं प्रतिभाशाली लोग निश्चित रूप से राज्य और देश को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

समाचार सार

कटिहार में 1008 महिलाओं ने निकाली कलशयात्रा

KATIHAR : शहरी क्षेत्र के वार्ड नंबर 41 स्थित राम जानकी मंदिर में सात

दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव की शुरूआत कलश शोभायात्रा के साथ हुई। मंदिर प्रांगण से शुरू हुई इस यात्रा में 1008 महिलाओं ने माथे पर कलश लेकर कोसी घाट से जल भरकर वार्ड भ्रमण किया। यात्रा का नेतृत्व मंदिर कमेटी के अध्यक्ष हरेराम सिंह ने किया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के सचिन सौरव मालाकार ने बताया कि 22 से 28 मार्च तक चलने वाले इस महोत्सव में आचार्य पंडित बृजेश शर्मा भागवत पीपासु महाराज कथा वाचन करेंगे। साथ ही 48 घंटे का हरिनाम संकीर्तन भी होगा। इस दौरान विष्णु महा यज्ञ का भी आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिसमें मंदिर कमेटी के सदस्य, वार्ड वासी और आसपास के क्षेत्र के लोग शामिल थे। यात्रा के दौरान भक्तों ने जय श्रीराम और हरि बोल के नारे लगाए। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर कलश यात्रा में भाग लिया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष हरेराम सिंह ने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य क्षेत्र में भक्ति और शांति का संचार करना है। उन्होंने बताया कि कथा के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भजन, कीर्तन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होंगे।

मंडल कारा में सजायाफ्ता बंदी की मौत

KISHANGANJ : मंडल कारा में बंद एक सजायाफ्ता बंदी की शनिवार

रात मौत हो गई। मृतक कैलाश कामती है, जो ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के मल्हाबारी गांव का निवासी था। जानकारी के अनुसार, बंदी पूर्व से ही बीमार चल रहा था। शनिवार की रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए मंडल कारा से सदर अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि मृतक के विरुद्ध ठाकुरगंज थाना में उत्पाद अधिनियम में मामला दर्ज था और वह उसी मामले में सजा काट रहा था। मंडल कारा के जेल अधीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि बंदी लंबे समय से बीमार था और सदर अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि वह कुष्ठ रोग से ग्रसित था। घटना के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर सदर बीडीओ कर्मवीर की निगरानी में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा मामले की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नवादा में दो सगे भाइयों की दुर्घटना में मौत

NAWADA : जिले के हिसुआ थाने के चिताविघा गांव में मोटरसाइकिल में रविवार को वाहन द्वारा टक्कर मार दिए जाने के कारण दो सगे भाइयों की मौत हो गई । मृतकों की पहचान धर्मेंद्र सिंह और विनोद सिंह के रूप में हुई है। दोनों वासुदेव सिंह के पुत्र बताए जा रहे हैं। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों भाई अपने खेत देखने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की। लेकिन एक भाई की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। बड़े भाई मिथिल सिंह ने गहरे दुख के साथ अपनी पीड़ा जाहिर की। उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है जैसे मेरे दोनों कंधे ही कट गए हों। ग्रामीणों ने भी इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। हर कोई पीड़ित परिवार को सांत्वना देने में जुटा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने जल्द ही दोषी को पकड़ने का आश्वासन दिया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

बिहार दिवस पर जीविका स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

KISHANGANJ : बिहार दिवस के अवसर पर खगड़ा स्टेडियम में लगाए गए जीविका स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। पूरे दिन स्टॉल पर लोगों की भीड़ उमड़ती रही, जहां जीविका दीदियों द्वारा तैयार जायकेदार व्यंजन, कॉफी और विभिन्न उत्पादों की जमकर सराहना की गई। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी विशाल राज, उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार झा तथा अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया और 'दीदी की रसोई' के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। अधिकारियों ने दीदियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उत्पादों की गुणवत्ता की प्रशंसा की।

हार्डवेयर व्यवसायी के घर पर फायरिंग मामले का हुआ खुलासा, सुपारी देने वाले दो गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN : जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के उज्जैन लोहियार पंचायत निवासी हार्डवेयर व्यवसायी कामता मिश्र के घर 19 मार्च 2026 को हुई फायरिंग मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। इस घटना के पीछे पुराना मामला उठाने के लिए दहशत फैलाने की साजिश रची गई थी।रविवार को थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में अरेराज डीएसपी रवि कुमार ने बताया कि इस कांड का संबंध 30 मार्च 2025 को गायघाट स्थित कामता मिश्र की दुकान पर हुए जानलेवा हमले से जुड़ा हुआ है। उस हमले में वे घायल हुए थे, हालांकि इलाज के बाद उनकी जान बच गई थी। उस मामले में चार शूटरों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि एक अब भी फरार है। डीएसपी ने बताया कि दोनों घटनाओं के पीछे रुपए के लेनदेन का

गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

विवाद मुख्य कारण है। कामता मिश्र ने एक ठेकेदार को सड़क निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई थी, जिसमें करीब 7 लाख रुपये जीएसटी का बकाया था,जिसे कामता मिश्र ने काट लिया था। इसी को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ और अपराधियों ने साजिश रची। पुलिस ने इस मामले में सुपारी देने वाले तीन में से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मोतिहारी हवाई अड्डा निवासी ठेकेदार सुरेंद्र सिंह तथा कल्याणपुर थाना क्षेत्र के सिसवा खरार निवासी डब्लू दुबे शामिल हैं, जो कुख्यात अपराधी बबलू दुबे का भाई बताया जा रहा है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एक अभी फरार है।डीएसपी ने बताया कि मामले में कुल 9 लोगों की पहचान की गई है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और जल्द ही सभी को पकड़ लिया जाएगा। वहीं थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार ने बताया कि दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज है और आगे की कार्रवाई तेजी से की जा रही है।

नालंदा में गोली मारकर प्रोपर्टी डीलर की हत्या

NALANDA : नालंदा जिले के हिलसा अनुमंडल अंतर्गत बाइपास के समीप आज रविवार की अहले सुबह मार्निंग वॉक करने गए प्रोपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक हिलसा गांव निवासी नंदलाल यादव के पूत्र भुषण यादव है। घटनाक्रम की जानकारी हिलसा थाना पुलिस को दी गई। हिलसा थाना पुलिस घटनास्थल पर जाकर घटना की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक के परिजन ने बताया कि मृतक प्रोपर्टी डिलिंग का का करते थे और प्रतिदिन की भांति आज रविवार को भी सुबह टहलने निकले थे। तब पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने गोली मारी थी, जिससे वे घायल हो गये। राहगीरों ने उन्हें नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर इलाज के हायर सेंटर भेज दिया, जहां रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटनाक्रम के संबंध में एक हत्या का मामला हिलसा थाना में दर्ज किया गया है। हिलसा थाना पुलिस मामले की हर बिंदु पर अनुसंधान में जुट गई है।

तेज रफ्तार बस की चपेट में आकर छात्र की मौत

SIWAN : सीवान छपरा-सीवान मुख्य मार्ग एनएच-531 पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 18 वर्षीय छात्र की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दूसरा व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। घटना धनौती पेट्रोल पंप के समीप अपराह्न करीब ढाई बजे की बताई जा रही है। मृतक की पहचान दरौंदा थाना क्षेत्र के मछौती गांव निवासी प्रीतोश कुमार (18) के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय अच्छेलाल राम का पुत्र था। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीतोश कुमार अपने साथी के साथ बाइक से पेट्रोल भरवाकर दरौंदा बाजार की ओर जा रहा था। जैसे ही वह पेट्रोल पंप से मुख्य सड़क पर निकला, सीवान से बोकारो की ओर जा रही तेज रफ्तार गणराज लग्जरी बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में

प्रीतोश कुमार की फाइल फोटो

बस में सवार कुछ यात्री भी हल्के रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल प्रीतोश कुमार को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद बस चालक और अन्य कर्मचारी बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। वहीं घायल यात्रियों ने स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराने के बाद दूसरे वाहनों से अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

नवविवाहिता की मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

BHAGALPUR : जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के बहादुरपुर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना बीते देर रात की बताई जा रही है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय अर्पणा कुमारी के रूप में हुई है, जो पटना डीएम के निजी ड्राइवर अनिल यादव की बेटी बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि अर्पणा की शादी 22 नवंबर 2024 को बहादुरपुर निवासी सोनू कुमार से हुई थी। परिजन का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसे दहेज के लिए लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। ससुराल पक्ष द्वारा सोने की चेन, अंगूठी और चार पहिया वाहन की मांग की जा रही थी। बताया जा रहा है कि देर रात ससुराल के एक पड़ोसी ने फोन कर लड़की की मौत

पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर परिजन

की सूचना दी। रात करीब एक बजे जब पिता को जानकारी मिली तो उन्होंने दामाद को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद वे तुरंत पटना से भागलपुर के लिए रवाना हुए और सुबह करीब नौ बजे ससुराल पहुंचे। परिजनों के अनुसार मौके पर पहुंचने पर अर्पणा की शव बेड पर पड़ा मिला और घर के सदस्य वहां मौजूद नहीं थे। ससुराल वालों का कहना है कि अर्पणा ने पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगाई। लेकिन पिता का आरोप है कि बेटी के गले पर रस्सी के निशान मिले हैं।

चोरी की बाइक के साथ चार हुए गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN : कोटवा थाना क्षेत्र में वाहन जांच के क्रम में पुलिस को एक मोटरसाइकिल संदेहास्पद अवस्था में मिली। उक्त मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच एचएचडी मशीन से करने पर चेसिस नंबर में भिन्नता पाई गई। विस्तृत जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उक्त मोटरसाइकिल का वास्तविक विवरण दूसरा है । ऐसे में उसे जब्त कर कारवाई शुरू की गई और आरसी भी बरामद किया गया ।इस मामले में कुन्दन कुमार ठाकुर, रौशन ठाकुर, दोनों जमुनिया जसौली, मो. हसन आलम, जसौली जमुनिया टोला फकीराना,मनोज महतो उर्फ भूषण महतो, बेलवा माधो चारों थाना कोटवा को गिरफ्तार किया गया। जब्त की गई चोरी की बाइक मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति की है जो वर्ष 2021 में छतौनी थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। इस गैंग का मास्टर माउंट डुमरियाघाट थाना क्षेत्र का एक मोटरसाइकिल मैकेनिक बताया गया है,जो फेक आरसी बनवाकर और नम्बर प्लेट बदल कर चोरी की बाइक को बेचता है। उसके विरुद्ध पुलिस की कारवाई जारी है।

सीवान में मुखिया की गाड़ी से बाइक टकराने पर बवाल, दोनों पक्षों में मारपीट व पथराव

AGENCY SIWAN : सीवान जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र के कुड़वा गांव में एक मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। मुखिया की गाड़ी में बाइक के हल्के धक्के के बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पथराव हुआ, जिसमें दोनों तरफ के कई लोग घायल हो गए। घटना में मुखिया हारून रशीद, जाहिर अहमद और जाकिर हुसैन के साथ-साथ दूसरे पक्ष के जहांगीर और उसका भतीजा अरमान घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। घटना के संबंध में घायल जहांगीर ने बताया कि वह करबला बाजार से खरीदारी कर बाइक से अपने घर लौट रहा था। गांव के पास मुखिया अपनी चारपहिया वाहन सड़क किनारे

अस्पताल में इलाजरत घायल

खड़ी किए हुए थे। साइड लेने के लिए उसने कई बार हॉर्न बजाया, लेकिन गाड़ी नहीं हटाई गई। इसके बाद जब वह साइड से बाइक निकालने लगा तो बाइक में टंगा झोला गाड़ी से हल्का सट गया। जहांगीर का आरोप है कि इसी बात को लेकर मुखिया और उनके समर्थकों ने उसे लाठी-डंडे से बेरहमी से पीटा। इतना ही नहीं, बाद में वे लोग उसके घर पहुंचे और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद के दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर ईंट-पत्थर भी चलाए गए, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। वहीं, दूसरी ओर मुखिया हारून रशीद ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि यह हमला पुरानी रंजिश के तहत किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव का एक व्यक्ति हथियार लेकर अपने साथियों के साथ आया और उन पर हमला कर दिया। हमले में उनके भाई का सिर फोड़ दिया गया तथा उन्हें और एक अन्य व्यक्ति को भी गंभीर चोटें आईं। फिलहाल, दोनों पक्षों के घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कला | अर्चना मिश्रा बेटियों को सिखा रहीं परंपरागत पेंटिंग का हुनर

गोपालगंज जिले में भी जीवंत हो रही मिथिला की विरासत

AGENCY GOPALGANJ : जिले में जहां एक ओर आधुनिकता का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक कला को संजोने और आगे बढ़ाने की मिसाल भी सामने आ रही है। मिथिला की बेटी अर्चना मिश्रा गोपालगंज में रहकर मिथिला पेंटिंग की विरासत को न केवल जीवित रखे हुए हैं, बल्कि स्थानीय बेटियों को इस अनमोल कला से जोड़ने का सराहनीय कार्य भी कर रही हैं। अर्चना मिश्रा मूल रूप से मिथिला क्षेत्र से संबंध रखती हैं और वर्तमान में अपने पति के साथ गोपालगंज में रहती हैं। उनके पति जिला मत्स्य विभाग में पदाधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। विवाह के बाद भी अर्चना ने अपनी

मिथिला पेंटिंग करतीं अर्चना मिश्रा

सांस्कृतिक जड़ों को नहीं छोड़ा, बल्कि उसे और मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अर्चना बताती हैं कि मिथिला पेंटिंग उन्हें विरासत में मिली है। बचपन से ही उनके घर का माहौल कला से जुड़ा रहा। उनकी दादी और मां पारंपरिक मिथिला पेंटिंग बनाती थीं। घर की दीवारों और कागज पर उकेरे गए रंग-बिरंगे चित्रों को देखते-देखते ही उनके भीतर इस कला के प्रति लगाव पैदा हुआ। धीरे-धीरे उन्होंने खुद भी पेंटिंग करना शुरू किया और परिवार के साथ इस परंपरा का हिस्सा बन गईं। शादी के बाद उन्हें ससुराल में भी इस कला को आगे बढ़ाने के लिए भरपूर सहयोग मिला। उनके पति, सास और ससुर ने हमेशा उनका उत्साह बढ़ाया।

अर्चना कहती हैं कि पेंटिंग से जुड़ी सामग्री की कभी कमी नहीं होने दी गई, जिससे उनका आत्मविश्वास और बढ़ा। गोपालगंज में रहते हुए अर्चना मिश्रा ने इस कला को केवल अपने तक सीमित नहीं रखा। वे आसपास की लड़कियों और महिलाओं को मिथिला पेंटिंग सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। अपने खाली समय में वे उन्हें प्रशिक्षण देती हैं और इस पारंपरिक कला के बारीक पहलुओं से परिचित कराती हैं। उनका मानना है कि यह कला सिर्फ चित्रकारी नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान का अहम हिस्सा है। उनका कहना है कि जहां भी वे रहती हैं, वहां इस कला को सिखाने का प्रयास करती हैं, ताकि नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रहे। वे चाहती हैं कि अधिक से अधिक बेटियां आत्मनिर्भर बनें और इस कला के माध्यम से अपनी पहचान स्थापित करें।

स्थानीय स्तर पर उनके इस प्रयास की सराहना हो रही है। कला प्रेमियों का मानना है कि यदि इस तरह के प्रयास जारी रहे तो गोपालगंज में भी मिथिला पेंटिंग की एक अलग पहचान बन सकती है। अर्चना मिश्रा का यह प्रयास न केवल एक कला को जीवंत कर रहा है, बल्कि बेटियों को आत्मनिर्भर बनने की राह भी दिखा रहा है। उनकी पहल यह साबित करती है कि अगर संकल्प मजबूत हो, तो परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

बिजली बिल वसूलने गई टीम पर हमला, दो को बनाया बंधक

घटनास्थल पर जुटे ग्रामीण

SUPAUL : जिले के पिपरा थाना अंतर्गत कटैया में विद्युत पावर ग्रिड की टीम पर हमला हो गया, जब वह बकाया बिजली बिल की वसूली के लिए पथरा दक्षिण पंचायत के वार्ड संख्या 4 स्थित महादलित टोला पहुंची थी। ग्रामीण महिला और पुरुषों ने टीम को खदेड़ते हुए मारपीट की, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने विभाग की एक बाइक और दो कर्मियों को बंधक बना लिया। सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद कर्मियों एवं बाइक को मुक्त कराया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि वे खेतों में मजदूरी करने गए थे, इसी दौरान बिजली विभाग की टीम बिना सूचना दिए घरों से मीटर खोलने लगी। जब उन्हें इसकी जानकारी मिली और वे घर पहुंचे, तो देखा कि कई मीटर और तार खोले जा चुके थे। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ा और मामला मारपीट तक पहुंच गया। हमले के दौरान जूनियर इंजीनियर (जेई) विकास कुमार समेत अन्य कर्मी दहशत में आ गए। जेई किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, जबकि दो कर्मी और एक बाइक ग्रामीणों के कब्जे में रह गए।

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

ललित गर्ग

सारस्वरूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है- व्यक्ति के भीतर योग अर्थात् आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।

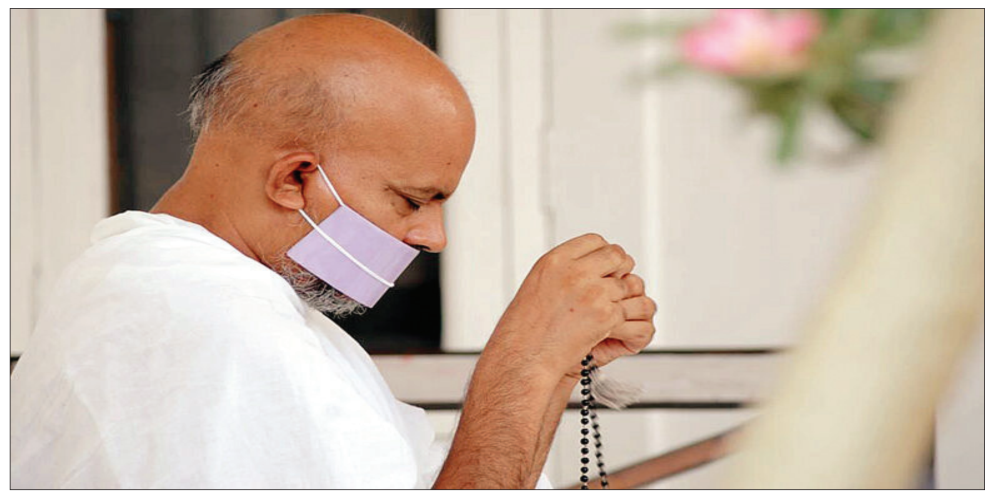

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को 'प्रज्ञापर्व' नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। 'पण्णा समिक्खए' इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है-'चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना।' पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है। तब धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा।

सारस्वरूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

अब यह 'तेल-गैस युद्ध'

ईरान युद्ध में अमरीका की ओर से कुछ सुखद संकेत आए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वह अमरीकी सैनिक नहीं भेजेंगे। अमरीका युद्ध जीत चुका है। ईरान का पूरा नेतृत्व समाप्त हो चुका है। अब शीघ्र ही सामान्य हालात होंगे। अमरीका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का बयान आया है कि ईरान पर से तेल की पाबंदियां हटाई जा सकती हैं। समुद्र में जिन जहाजों, टैंकरों में ईरान का तेल है, वह उसे किसी भी देश को बेच सकेगा। शीघ्र ही फैसला लिया जा सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति ने युद्ध की समाप्ति के संकेत दिए हैं, लेकिन जब तक वह घोषणा नहीं करते और अपनी सेनाओं की वापसी का आदेश नहीं देते, तब तक सब कुछ अनिश्चित और अस्थिर है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप की फितरत ही ऐसी है। दरअसल ईरान युद्ध के आयाम बिल्कुल बदल चुके हैं। अब यह ह्यतेल-गैस युद्धह्न के खौफनाक, विध्वंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। यदि अमरीका वाकई युद्ध समेटना चाहता है, तो पेंटागन ने अमरीकी कांग्रेस (संसद) से 200 अरब डॉलर, यानी 18.64 लाख करोड़ रुपए, के अतिरिक्त फंड की मांग क्यों की है? यह बेहद मौजू सवाल है। यदि भारत के शेयर और कारोबारी बाजार की बात करें, तो युद्ध के 20 दिनों में ही 37 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो चुके हैं। बीती 19 मार्च को एक ही दिन में करीब 14 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। ये सिर्फ वित्तीय सेवाओं, संस्थानों और कॉरपोरेट के ही नुकसान हैं। समग्र नुकसान अनंत, असीम हो सकता है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि कच्चे तेल की कीमतें, लंबे वक्त तक, 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहीं, तो वित्त वर्ष 2027 में देश की जीडीपी बढ़ोतरी और कॉरपोरेट आय पर बुरा असर पडना तय है। भारत 19 लाख करोड़ रुपए का निर्यात खाड़ी देशों को करता है, जो युद्ध के कारण बाधित है, जाहिर है कि अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। ईरान के जिस 'साउथ पार्स गैस प्लांट' पर इजरायल ने विनाशकारी हमला किया था, वह 1800 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस का सर्वाधिक उत्पादन करता है। पार्स अकेले ही 13 लंबे सालों तक दुनिया की गैस-जरूरतों की आपूर्ति कर सकता था। प्राकृतिक गैस उत्पादन में ईरान, अमरीका और रूस के बाद, तीसरा सबसे बड़ा गैस उत्पादक देश है। प्राकृतिक गैस 'ईरान की लाइफलाइन' रही है, क्योंकि वहां 80 फीसदी बिजली प्राकृतिक गैस से ही बनाई जाती रही है। उस प्लांट को जला कर खाक कर दिया गया है।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भुत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु : शहादत जो आज भी जिंदा है

योगेश कुमार गोयल

भारत के महान् वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए लड़े भारत मां के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सूपतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौंसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी।

क्रांतिकारियों राजगुरू और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान् क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं था। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगतसिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगतसिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरू का साथ दिया था। 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरू छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरू का रूझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरू के अभिन्न मित्र थे।

पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरू ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती, इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केन्द्रीय असेम्बली में बम फैंकने की योजना बनाई।

1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में 'पब्लिक सेफ्टी' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फैंकने के लिए 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फैंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर ढ़ंग से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फैंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फैंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था, ह्यआदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।'

हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकद्दमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। इसी मामले को बाद में ह्यलाहौर षड्यंत्र केसह्न के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हडताल की। 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान् वीर सपूतों को फांसी दे दी गई। फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थेः-

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी।

ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फैंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान् स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

तेल, गैस के बाद इन्टरनेट पर ग्रहण लग सकती है

बिनोद कुमार सिंह

डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती ब्रेक, हैईरान, होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल...

विश्व व्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अब शक्ति की परिभाषा केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक पहलु तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह धीरे-धीरे डिजिटल ढाँचे और डेटा नियंत्रण तक फैलती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मध्य एक नई आशंका ने वैश्विक मंच पर विचार - विमर्श को जन्म दिया है - क्या ईरान ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है,जिससे विश्व की इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो जाए? यह प्रश्न केवल एक सनसनीखेज संभावना नहीं,बल्कि उस जटिल वैश्विक ताने-बाने का अंहम हिस्सा है,जिसमें मानव समुदाय का आधुनिक जीवन पूरी तरह उलझा हुआ है। विगत दिनों में होर्मुज जलडमरू मध्य को विश्व ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील मार्ग के रूप में देखा जाता रहा है,जहाँ से होकर वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। वैश्विक राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बदलते समय के साथ यह क्षेत्र केवल ऊर्जा का मार्ग नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल दुनिया की एक महत्वपूर्ण धुरी बन चुका है। समुद्र की गहराइयों में बिछी फाइबर- ऑप्टिक केबल्स,जो आँखों से ओझल रहती हैं,वास्तव में वैश्विक इंटरनेट की जीवनरेखा हैं। इन्हीं के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बीच डेटा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। लाल सागर और होर्मुज जैसे क्षेत्र इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,क्योंकि यहाँ से गुजरने वाली केबल्स यूरोप,एशिया और अफ्रीका को जोड़ती हैं। इन केबल्स के जरिए ही वीडियो कॉल, ईमेल,बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार की गतिविधियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं संचालित होती हैं। यह पूरी व्यवस्था इतनी सहज लगती है कि सामान्यतः हम इसकी जटिलता और संवेदनशीलता को समझ ही नहीं पाते। इंटरनेट को लेकर यह धारणा कि इसे एक झटके में बंद किया जा सकता है,तकनीकी रूप से पूरी तरह सही नहीं है। वैश्विक इंटरनेट एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है, जिसमें सैकड़ों केबल्स और हजारों सर्वर जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया का इंटरनेट ठप कर देना संभव नहीं है। फिर भी, यह भी उतना ही सच है कि यदि किसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थित केबल्स को नुकसान पहुंचता है,तो इसका असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे सकता है। इंटरनेट पूरी तरह बंद न भी हो,तो उसकी गति धीमी हो सकती है,सेवाओं में बाधा आ सकती है और वैश्विक संचार व्यवस्था अस्थिर हो सकती है। भारत जैसे विकासशील देश,जो तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं,इस प्रकार के किसी भी व्यवधान से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। आज बैंकिंग,शिक्षा,स्वास्थ्य,व्यापार और सरकारी सेवाओं का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है। यदि डेटा के प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा आती है,तो इसका असर केवल तकनीकी नहीं,बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी होगा। आम नागरिक को इसका अनुभव इंटरनेट की धीमी गति,ऑनलाइन सेवाओं में देरी और डिजिटल लेन-देन में असुविधा के रूप में होगा,जबकि बड़े स्तर पर यह आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में वैश्विक टेक कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एमजॉन,माईको साफ्ट और गुगल जैसी कंपनियों ने पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में बड़े डेटा सेंटर स्थापित किए हैं,जो वैश्विक नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन केंद्रों के माध्यम से डेटा का आदान-प्रदान होता है और विभिन्न महाद्वीपों के बीच डिजिटल संपर्क बना रहता है। यदि समुद्री केबल्स प्रभावित होती हैं,तो इन कंपनियों की सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है,जिसका प्रभाव दुनिया भर के उपयोगकताओं तक पहुंचेगा। आज की भू-राजनीति में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डेटा और कनेक्टिविटी भी एक प्रकार की शक्ति बन चुके हैं। जिस प्रकार ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करके वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला जाता है,उसी प्रकार डेटा प्रवाह को प्रभावित करके भी दबाव बनाया जा सकता है। होर्मुज और लाल सागर जैसे क्षेत्र अब केवल भौगोलिक महत्व के नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक दृष्टि से ह्यडिजिटल चोक-पॉइंटह्न बनते जा रहे हैं,जहाँ किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर दूर-दूर तक महसूस किया जा सकता है। हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है। वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। वही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है। संक्षेप का सार यह है कि ह्लईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगाह्व जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है। आज आवश्यकता है एक संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की, जिसमें तकनीकी समझ, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों का समन्वय हो। आने वाले समय में शक्ति का स्वरूप और भी बदलने वाला है,उस समय वही देश आगे होंगे,जो न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे,बल्कि अपनी डिजिटल संरचना को भी सुरक्षित और मजबूत बनाए रखेंगे। वैश्विक राजनीतिक के मामले पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि अगर ईरान - इसाईल-अमेरिका के युद्ध विराम नही होता तो डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती है। ब्रेक,हैईरान,होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल ना केवल भारत जैसे विकासशील देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर सकती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Measure impact to award PhD

Scientific journal Nature recently reported about a PhD in which an engineering doctorate was assessed primarily on an implemented solution rather than a traditional dissertation. The defence focused on a field-tested innovation documented in use. The evaluation centred on demonstrable contribution in practice. The work was judged for usefulness and implementation.Many top-ranked universities today offer industrial or application-oriented PhDs. The University of Cambridge, for example, offers a PhD in industrial engineering in which research is pursued primarily in an industrial setting while maintaining the expectation of original contribution. The University of Warwick's engineering doctorate programme is designed around company-sponsored problems. It follows a system of dual academic and industrial supervision. The final submission is explicitly framed as a portfolio rather than a single project.

The National University of Singapore offers an industrial postgraduate programme in which students conduct doctoral work in partnership with companies. In this programme, co-supervision and the requirement that the student spend substantial time in the company setting are mandatory.These examples raise a pertinent question. Why can't such innovative work in Indian institutions lead to a practice-oriented or practical PhDs, making validated application the primary evidence rather than the usual publication-plus-thesis requirements?In current PhD programmes in India and most parts of the world, we follow a traditional path. Supervisors and students optimise research for publishable pieces; paper counts are invariably the goal. Such outcomes are a direct result of the processes we have adopted in recruitment, promotion and graduation. So there is hardly any effort to promote outcomes that address real constraints, manufacturability and adoption in live systems.

The traditional PhD pathway will remain in many disciplines. But, at least in engineering, it is now time to introduce pragmatic reforms in the form of a carefully-governed, practical PhD track. Established Indian institutions must reorient doctoral programmes to train young scholars who can convert their doctoral work into robust products and processes.How can we evaluate practical PhD programmes based on product or process development? In a conventional thesis evaluation, two external examiners, who are invariably academicians, examine the thesis and give their recommendations. The process includes, if required, a revision of the thesis and a mandatory oral defence. It is not designed to judge whether the thesis represents a real-world product or process.For a practical PhD, the examination panel should bring together academic examiners and experienced industry practitioners to ensure both scholarly and applied evaluation. We can adopt an India-specific approach in which the panel treats the doctoral output as a rigorously audited technical dossier. This dossier should document research contribution, engineering trade-offs, experimental evidence and path to deployment. Since a practical PhD is more relevant in the engineering discipline, we can measure the maturity of the presented work through technology-readiness milestones, third-party testing and field trials.In current PhD programmes in India and most parts of the world, we follow a traditional path. Supervisors and students optimise research for publishable pieces; paper counts are invariably the goal. Such outcomes are a direct result of the processes we have adopted in recruitment, promotion and graduation. So there is hardly any effort to promote outcomes that address real constraints, manufacturability and adoption in live systems.

The traditional PhD pathway will remain in many disciplines. But, at least in engineering, it is now time to introduce pragmatic reforms in the form of a carefully-governed, practical PhD track. Established Indian institutions must reorient doctoral programmes to train young scholars who can convert their doctoral work into robust products and processes.

Ranjit Sagar Dam: Legacy of grit and glory

Despite repeated setbacks, geological challenges and financial delays, the collective resolve of engineers and workers ensured the dam's eventual completion

THE Ranjit Sagar Dam is the youngest member of the 'Dam Family Tree' of the northern region. As per the Indus Water Treaty signed between India and Pakistan in 1960, the waters of three eastern rivers — the Sutlej, Beas and Ravi — were allotted exclusively to India. Three multipurpose river valley projects, especially flood control-cum-storage dams, were planned and constructed. A massive concrete dam at Bhakra on the Sutlej was taken up first, followed by the earthen dams on the Beas and the Ravi. The Ranjit Sagar Dam is also known as Thein Dam, named after a small village in Kathua district of J&K.The Bhakra-Nangal Complex was commissioned in 1963. A US team, headed by Harvey Slocum, was the consultant. It was instrumental in grooming a large force of Indian construction workers and engineers. After the completion of the Bhakra Dam, this force was transferred to the Beas project. The Beas Dam was using indigenous resources, manpower and technology. The earthen dam on the Beas was completed in 1974.However, the next in line, the Ranjit Sagar Dam, could not take off in time. The 1965 and 1971 wars with Pakistan created a financial strain and the project had to be deferred for a decade. This resulted in the non-utilisation of surplus and skilled manpower and the equipment spared from the Bhakra-Beas projects. Some of the staff were posted to the neighbouring projects. Some engineers were sent on assignments in Africa and South-East Asian countries.Ultimately, Prime Minister Rajiv Gandhi laid the foundation for this project in November, 1985. The project was also included in the Seventh Five-Year Plan for adequate funding. Skilled staff and engineers from the Bhakra-Beas and other projects were recalled and engaged for the work.

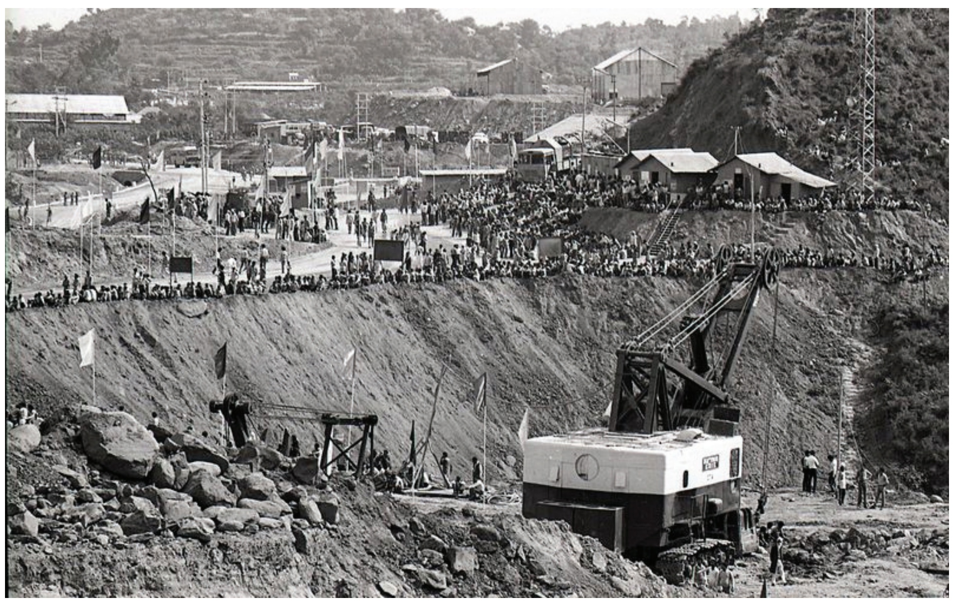

Ranjit Sagar Dam is an earthen dam, similar to the Beas dam, but smaller in volume. It comprises four tunnels, an earthen dam, a spillway and a powerhouse. The construction was taken up with a departmental setup and work was done around the clock. The dam was completed by the sweat and toil of a dedicated band of 15,000 workers, technicians and engineers.Over 126 workers and other associates laid down their lives during the construction period. We salute these martyrs.

The dam was commissioned and dedicated to the nation by Prime Minister Atal Bihari Vajpayee on March 4, 2001. It has now completed 25 years of successful operations.

During the course of construction, the dam encountered some hurdles and natural calamities:

At the outset, it was delayed due to financial constraints.

During 1985-88, four tunnels were excavated and concreting work was going on. However, the September 1988 floods caused by heavy rains over the catchment area for more than three days brought unparalleled misery to this project. It resulted in heavy damages to various dam structures.All embankments and protection bundhs along the river protecting the upstream and downstream portals (faces) of the tunnels, the powerhouse foundation and service roads were flooded and washed away. As a result, the flood waters entered the tunnels and filled them with silt, debris, uprooted trees, animal carcasses, etc.

The hard labour was undone in a few seconds. I was then the Executive Engineer. We stood there helpless and shocked. This was a big setback, delaying the project by two-three years. The demoralisation was such that the abandonment of the project was also considered.

Tunnelling work is the most challenging and hazardous job in civil engineering, especially when geological surprises strike. RS Gill, eminent engineer, who was also Chairman of the consultant committee, held many meetings with engineers and workers to lift their spirits.

He reminded them that some hazards had also been faced at Bhakra and Beas dams and were overcome.

The Bhakra Dam site has the distinction of having been visited 13 times by Prime Minister Jawaharlal Nehru during the construction period. However, the Beas Dam was not lucky in this respect. The Ranjit Sagar Dam site was also visited by three PMs — Rajiv Gandhi in 1985, PV Narasimha Rao in 1995 and Atal Bihari Vajpayee in 2001 (dedication ceremony).

However, jovial moments too were a part of the process. Engineers remained busy monitoring the progress, estimates, accounts, arrears, etc. More heat than light was generated during the meetings because of work tension. Some lighter moments are as follows:

Once a villager visited the house of the Chief Engineer to complain about land payment on a winter morning and rang the bell. The Chief Engineer, who was in a night suit, opened the door and said: "Bataayen, kya baat hai?" (what's the matter). He responded, "Yaar, maine aapse baat nahi karni. Apne Chief ko bhejo. Aur thand bahut zyada hai, ek chai ka cup aur biscuit bejh do." (I don't want to talk to you, send your Chief. Also, send a cup of tea and biscuits to warm me up.) Sir just enjoyed the moment. The GM decided to have a security check at the dam site. He wore casuals, got into a different car with the driver and set out for the site. At the check post, the security personnel asked the driver his name and the occupant with him. The driver recorded his name and said: "GM Sir is in the car."The personnel peeped in and said, "Yaar, jhooth kyu bol rahe ho. Hum GM sahab ko pehchante hain, woh hamesha proper dress mein rehte hain." (Please don't lie. We recognise GM Sahab, he is always well dressed). Before the driver could object, he added, "Mujhe lagta hai, tu apne kisi rishtedar ko dam dikhane ja raha hai aur naam GM Sahab ka le raha hai." (You are taking your relative or friend for a free ride and taking GM Sahab's name)." The driver got enraged and a verbal bout started. The GM signalled the driver to return. He asked, "Sir, woh surprise check?" The GM smiled: "Ho to gaya hai. I am happy with the security arrangement as even the GM is not allowed."

An officer told his wife that he would return home late as the foundation of the dam was being laid that day. His wife protested, saying: "What have you been doing at the dam for the last five years if it was to start today?"

The Ranjit Sagar Dam has completed 25 years and has been ushering prosperity in Punjab, Himachal Pradesh and J&K. The dam's administrative control rests, by and large, with the Punjab government, as per the agreements with the states concerned. It is not under the BBMB's control.

Adjournment culture: SC revises rules in a bid to reduce delays

Delays are not merely an administrative issue — they have real human costs

THE Supreme Court has tightened adjournment rules in a welcome attempt to improve judicial efficiency and reduce procedural delays. The adjournment culture — aptly summed up by Sunny Deol's iconic line, "tareekh pe tareekh", in the 1993 film Damini — continues to be a major stumbling block for the justice delivery system. It reflects the frustrating reality of delayed justice in India — hearings are repeatedly deferred and litigants are left waiting for years, sometimes decades, for closure. Some hapless ones even die before the verdict is delivered.The SC has drawn a firm line between necessity and convenience by restricting adjournments to truly exceptional circumstances such as bereavement or serious health issues. Equally significant is the emphasis on transparency and accountability: parties must now disclose specific reasons and the number of prior adjournments. This is expected to curb frequent deferment. The procedural safeguards introduced are also noteworthy. Mandatory advance notice to the opposing party, the opportunity to object, and strict deadlines for submissions can ensure that adjournment requests are no longer unilateral or last-minute tactics. Such measures are aimed at promoting fairness while ensuring optimal use of the court's valuable time.

This reform is particularly critical as over 92,000 cases are pending in the Supreme Court; the backlog is around 64 lakh in high courts and a staggering 4.8 crore in lower courts. Delays are not merely an administrative issue — they have real human costs. When cases outlive the litigants themselves, the system risks losing its constitutional and moral legitimacy. Ultimately, the stricter and more structured framework is about changing the mindset as much as procedure. The legal community needs to move away from viewing adjournments as a routine matter. The onus is on key stakeholders — lawyers, litigants and judges — to embrace this shift and translate intent into lasting change. Collective efforts are a must to consign "tareekh pe tareekh" to history.

India up against Hormuz dilemma

Tehran's transactional diplomacy is a severe test of Delhi's strategic autonomy

IN 2003, then Chinese President Hu Jintao's acknowledgment of his country's "Malacca dilemma" drew global attention to that Southeast Asian maritime chokepoint, even as the Indian Navy's (IN) maritime strategy had long identified the Strait of Hormuz as the true jugular vein of global energy. Linking the Persian Gulf to the Arabian Sea, its closure would, according to the IN assessment, "severely affect the energy security of many nations, including India." This vulnerability is shared by the world's other leading oil importers, notably China, Japan and South Korea.

With India's 23 oil refineries demanding over 5 million barrels of crude daily, the country's economic and industrial well-being depend on the assured arrival of 2-3 very large crude carriers every day at our west coast ports. Similarly, one ship carrying liquefied natural gas must arrive at one of our "regasification" terminals daily to maintain the national gas grid. Apart from the pain that energy shortages will inflict on the economy and citizens, there will also be second-order adverse effects on sectors like fertilisers and pharmaceuticals.

Iran's blockade of the crucial Strait of Hormuz is the spearhead of its determined response to the unprovoked US-Israel air campaign targeting Iranian leadership, nuclear facilities and missile infrastructure. The newly chosen Supreme Leader, Ayatollah Ali Mojtaba Khamenei, has adopted a defiant "war of survival" strategy, in which weaponisation of the 30-km-wide Strait of Hormuz aims to achieve two disruptive aims.

First, by posing a threat to oil tankers with sea mines and low-cost drones, Iran has sent maritime insurance premiums and freight rates skyrocketing, paralysing shipping traffic. Second, by lining the strait's northern shore with missile batteries and "swarms" of aerial and seaborne drones, Iran has created a formidable deterrent.

The US Navy has baulked at entering what it fears has become a "kill box" for its warships. By holding the global energy supply chain hostage, Tehran is issuing an ultimatum: if the US-Israeli alliance is hell-bent on wreaking destruction upon Iran, it will ensure that the global economy suffers intolerable damage.By granting only conditional approval to Indian-flagged tankers and requiring "case-by-case" diplomatic clearances for each transit through Hormuz, Tehran is reminding us that while India may be a "major defence partner" of the US, it is physically tethered to the Persian Gulf. The emergent situation has confronted India with a "Hormuz dilemma", characterised by severe restrictions on its energy supplies and the adoption by Tehran of transactional diplomacy. This represents not merely an economic crisis in the making but also a severe test of India's "strategic autonomy".

It is tempting to conclude that India's current predicament is a direct consequence of its open alignment with Israel, but that may not be the full story. It is true that building on the momentum of the Abraham Accords, signed during the first Trump administration, the US-Israel-India triad witnessed unprecedented synergy, including radical initiatives like the I2U2 (India-Israel-US-UAE) economic partnership, also dubbed the "West Asian Quad", and the India-Middle East-Europe Corridor (IMEC) connecting India to Europe via Israel. Underpinned by US strategic backing, these initiatives would have helped in the assimilation of Israel into its West Asian neighbourhood.However, labelling India's posture as a simple act of "ingratiation" ignores two major compulsions that shape its international relationships. Firstly, the geopolitical realities of a hostile neighbourhood, coupled with a laggard military-industrial complex, have pushed it to seek advanced military hardware as well as high-end weapon/sensor technology from abroad. Secondly, the prevailing economic-technological-military asymmetry vis-à-vis an assertive China requires that India seeks a hedge or partner in the Indo-Pacific.In their anxiety to find obliging partners for the above, Indian statesmen and diplomats seem to overlook some simple realities. Firstly, the sheer magnitude of India's military requirements makes it a most lucrative customer, and arms-producing nations do us no favour by selling hardware (mostly at outrageous prices). Not only do the cash advances paid by us help amortise a company's R&D expenses, but there have been many live instances where shipyards, aircraft and missile manufacturers on the brink of bankruptcy have been rescued by a hefty Indian contract.Secondly, every "strategic partnership" is a two-way street, and any nation that takes a considered decision to engage with India — the world's most populous nation, having significant economic and military heft — has as much to gain from the relationship as does India.India's leadership must not consider itself "beholden" to any single power — be it Russia, the US, Israel or France — for its core security interests. The earlier we attain genuine self-reliance in key technologies — current and futuristic — the stronger will be our posture of "strategic autonomy".One hopes that populist political aspirations having been met, the nation will be able to allocate adequate resources to the serious pursuit of science and technology, which is the only path to the attainment of great-power status. PM Modi's exhortation to attain Atmanirbharta must be faithfully implemented, not just as a slogan, but through heavy investment in R&D and by encouraging the spirit of genuine innovation among the youth.The genocidal war in Gaza and the ongoing Persian Gulf conflict, coupled with the "civilisational" rhetoric emerging from the Trump administration, signal the demise of the post-WWII "rules-based order" and Western liberalism. This shift confirms Samuel Huntington's 1996 prophecy of a "Clash of Civilisations" as an emerging reality, which is widening the schism between the Western bloc and the Global South. Clearly, discrimination on the basis of race, colour and faith is gaining over the spirit of universalism that we had briefly glimpsed.In this turmoil, India must consider breaking its traditional mould to resume leadership of the Global South. Capable of engaging all sides, India is uniquely positioned to act as a bridge across these deepening divides. By spearheading initiatives in energy diplomacy, maritime security and climate justice, New Delhi can transform "strategic autonomy" from a defensive posture into a proactive leadership role that stabilises a fractured global landscape, while retaining its ethical moorings.

Oil shock deepens as West Asia war escalates. Is a global recession coming

A new government directive on free seat allocation has triggered sharp opposition from airlines, who warn it could push up fares, hurt affordability and reshape how tickets are priced across India's aviation sector.

New Delhi,.(Agency)

More than three weeks after US and Israeli strikes on Iran triggered a chain of retaliation across West Asia, the conflict has spread far beyond its starting point, hitting energy infrastructure, disrupting shipping routes and pulling multiple countries into what is now a region-wide war.

What began as a geopolitical escalation is now turning into an economic one, and oil is at the heart of it.Crude oil is trading above $110 a barrel. But the bigger concern is not just the price. It is the disruption to supply. The Strait of Hormuz, which carries nearly a fifth of global oil, is under strain.Tanker traffic has slowed as ships avoid the route, insurance costs have surged, and repeated attacks and threats have turned one of the world's most critical energy corridors into a high-risk passage.

At the same time, strikes on energy infrastructure across the Gulf are beginning to affect refining apacity and gas supply.That is what is now feeding into a more urgent question. How far is the world from a recession?

GLOBAL OIL CRISIS

The war has moved directly into the global energy system.Strikes on Iran's South Pars gas field disrupted a significant portion of its output, while retaliation has extended to oil and gas facilities across

Saudi Arabia, Qatar and the UAE. What began as a geopolitical escalation is now affecting production, refining and transport at the same time.

"The latest escalation in West Asia involves direct attacks on both oil supply and critical energy infrastructure, including production sites and transit chokepoints such as the Strait of Hormuz," says Kaushal Sampat, President at Vayana, a supply chain finance pltform.

Market estimates suggest that 8 to 10 million barrels per day of supply could be affected if disruptions persist. The Strait of Hormuz alone carries nearly 20 million barrels per day, which means even partial disruption has global consequences.Sampat describes the situation as a system-level shock. "In our view, this is not purely short-term, but a combination of immediate disruption and emerging structural risk," he tells IndiaToday.in.

"This is not just a price shock; this is also an availability issue," says Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, a brokerage and wealth management firm.

Indian equity markets show 'structural resilience' amid FII outflows

New Delhi,.(Agency)

The Indian equity markets are demonstrating 'structural resilience' despite intense global macro headwinds and foreign institutional investors (FII) outflows, according to analysts. For the week ending March 20, a persistent risk-off sentiment among FIIs was observed, with weekly net outflows totaling Rs 29,718.9 crore. This exodus, coupled with a surging US Dollar index, pressured the Indian rupee to a provisional record low of 93.71. "Remarkably, the Nifty 50 maintained its integrity, closing at 23,114.50 (+0.49 per cent) as domestic institutional investors (DIIs) acted as a formidable counterforce with weekly net purchases of Rs 30,269.23 crore," said Vinit Bolinjkar, Head of Research-Ventura.Markets ended the week on a largely flat note with a negative bias, reflecting underlying caution among participants. The tone remained positive during the first three sessions; however, a sharp decline on Thursday erased the gains, followed by a volatile final session.

Consequently, Nifty declined 0.16 per cent to close at 23,114.50, while Sensex edged lower by 0.04 per cent to settle at 74,532.96.During the initial sessions, sentiment was supported by partial resumption of vessel movement through the Strait of Hormuz. "However, renewed geopolitical tensions following Israel's attack on Iran's energy infrastructure pushed crude oil prices back toward recent highs near USD 119 per barrel. Although prices moderated slightly thereafter, they remain elevated," said Ajit Mishra–SVP, Research, Religare Broking Ltd.Additionally, continued weakness in the rupee against the US dollar and subdued global market cues, particularly from the US, added to the pressure.

This was reflected in sustained FII outflows during the week.Given the fragile sentiment, persistent FII outflows, and ongoing global uncertainties, investors should maintain a cautious and selective approach. Positioning should favour fundamentally strong large-cap stocks and sectorswith stable earnings visibility, said analysts.

While Brent crude remains volatile near USD 107 per barrel due to West Asian tensions, the stabilisation of the India VIX at 22.81 suggests a market base is forming. "We maintain a range-bound outlook between 22,800 and 23,300, with a positive bias contingent on the stabilisation of global energy prices and a cooling of the currency's volatility," said market observers.

Women billionaires double in 10 years: Hurun report reveals USD 470 billion wealth boom

New Delhi.(Agency)

The number of self-made women billionaires worldwide has reached a record 150 in 2026—double the figure from a decade ago—while their combined wealth has surged to USD 470 billion, according to the latest Hurun report."The number of self-made women billionaires has doubled in ten years to a new world record of 150," said Rupert Hoogewerf, chairman and chief researcher of the Hurun Report, highlighting the rapid pace of wealth creation globally.This sharp rise is being driven by sectors such as artificial intelligence, healthcare, and advanced manufacturing, where women entrepreneurs are building and scaling large businesses. The report notes that wealth has grown by over 50 percent in just three years, reflecting strong momentum in female-led enterprises.China dominates the list, accounting for 78 self-made women billionaires—more than the rest of the world combined—while United States ranks a distant second. The report also highlights strong churn,

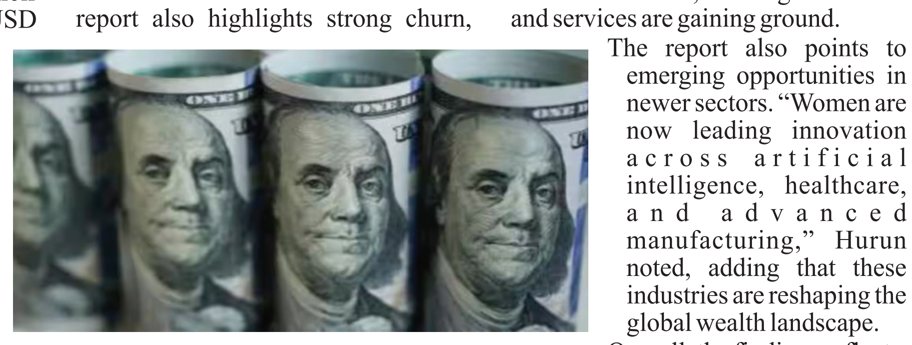

with 60 new entrants this year, signalling a widening base of entrepreneurship.Another key trend is that over 80 percent of the women on the current list were not present a decade ago, underlining how quickly new wealth is being created. A majority of these billionaires have built their fortunes through listed companies, particularly in product-driven industries, although software and services are gaining ground.

The report also points to emerging opportunities in newer sectors. "Women are now leading innovation across artificial intelligence, healthcare, and advanced manufacturing," Hurun noted, adding that these industries are reshaping the global wealth landscape.

Overall, the findings reflect a broader shift in global economic power, with women playing an increasingly significant role in entrepreneurship and wealth creation, even as gaps in access to capital and opportunities still remain.

Consumer items become more costly: Input costs blamed, thanks to the US-Iran war

Kolkata.(Agency)

The US Iran war is has started taking its toll on consumer items such as television sets and AC machines, the prices of which are rising with manufacturers attributing it to the unending conflict in West Asia, reports have stated. These costs can be categorised as commodity costs, logistics costs and energy costs. Reports have also stated that these hikes in prices can annul the positive impacts of the GST rejig and resultant impact sales performance. This comes within weeks of a round of price rise in the region of 5-9% for in Jan this year on goods such as ACs and TVs, citing higher production costs.The war impact have reportedly pulled the prices up back to pre-GST levels. The war has devalued the Indian rupee against the US dollar, hiked shipping costs, raised some energy prices and all of these have resulted in the rise in costs of these consumer goods earlier than industry experts anticipated. According to media reports, prominent brands have told their trade channel partners that the price hikes have become unavoidable due to the geo political situation in West Asia.AC prices before summer

At the onset of summer, it seems to be the AC prices that have been especially hit hard. The brands that have felt the pinch and acted accordingly include giants such as Samsung, Panasonic, LG, Daikin. According to the report, on March 20, LG Electronics has informed that it is compelled to raise AC prices by as much as 10%. Prices of other goods from its stable will go up from next month but to a lesser 5%.Other brands to raise AC prices are Lloyd, Daikin and Panasonic. While Daikin India announced increases of up to 12%, Panasonic is going for a rise between 8% and 12%. Lloyd has hiked prices from march 21. From the stable of Samsung television sets have become more expensive with the Korean giant attributing it to more expensive prices of chips that power the TV sets.

According to LG Electronics, there has been a significant and sustained rise in the costs of inputs in Feb. Availability of raw materials is also reportedly becoming less smooth. Hirokazu Kamoda, who heads heating, ventilation and AC business of Panasonic has claimed that they now need more lead times to get raw materials for production.GST gains nullifiedWhat's significant is that the higher consumption that resulted form the GST cuts in early Sept 2025 could be eroded.

Diesel price: Bulk diesel price hike rolled back for Gujarat fishermen, will be treated as special exception

New Delhi.(Agency)

Fishermen in Gujarat will continue to receive diesel at subsidised rates after the Centre decided to roll back a recent steep increase in bulk fuel prices, following a request from the state government. The relief comes after oil companies raised the price of bulk diesel by Rs 22.43 per litre for industrial users earlier in the week, in response to rising global crude prices amid the ongoing supply disruption due to the Middle East war.The hike had also been extended to diesel supplied to fishing boats, triggering concern among the state's fishing community. Fisheries minister Jitu Vaghani said that the Gujarat government intervened, urging the Centre to treat fishermen as retail consumers and provide a "special exception" to shield them from the increase.After the price hikes were announced, many manufactureres and transporters across the state were left struggling amid already existing pressures from infraction and energy market volatility."Under the guidance of Prime Minister Narendra Modi, the Centre has accepted this reasonable representation of the fishermen of Gujarat. The Centre has instructed Bharat Petroleum to withdraw the increase of Rs 22.43 in the price of diesel used in fishermen's boats," an official release said.It added that "a representation was made to Vaghani, MLAs, local leaders and various fisheries organisations. Considering the seriousness of the matter, Vaghani, under the guidance of the chief minister, made a representation to the Centre to intervene in the matter.""So, the fishermen of the state will now receive diesel at the previously decided concessional rate," it added.The state had earlier entered into an agreement with Bharat Petroleum to supply diesel to fishermen at discounted prices. However, the recent revision had pushed up costs until the rollback was approved.The broader price revision comes at a time when global oil markets have been volatile. Bulk diesel prices in Delhi, for instance, were raised from Rs 87.67 per litre to Rs 109.59, even as retail fuel prices remained unchanged. Petrol in the national capital continues to be priced at Rs 94.77 per litre, while regular diesel remains at Rs 87.67.

Atanu Chakraborty| A case of misfire rather than a misfit

New Delhi.(Agency)

When former top bureaucrat of the Union finance ministry Atanu Chakraborty resigned as the non-executive chairman of HDFC Bank on Wednesday, markets bought into the message of his resignation letter with a momentous fall. In two days after his mention of "values and ethics" in the letter, the bank lost around Rs 1 lakh crore in its market value. The fall could either signify Chakraborty's stature as a bureaucrat or a structural problem in the country's second largest lender, or both.The jury is still out on what caused Chakraborty's outburst. His succinct—but sharply worded—resignation letter has stumped observers. Was it a case of dissent at the top or a deliberate push towards cleaning the labyrinth of corporate decision making, where mal-intent could lie latent for years?

Chakraborty took a step back as the controversy raged. He downplayed the content of his own letter, calling the episode "routine" and pulling back from the insinuations of ethical lapses. However, insiders argue, Chakraborty is no novice corporate leader who is learning the tricks of the trade. He was a career bureaucrat with experience at public sector undertakings and the Reserve Bank of India (RBI).People who have watched him from Gujarat days know that such a career profile cannot succumb to behavioural impulses. What made the charge stick and lent weight to Chakraborty's opinion of the top brass at HDFC Bank was the bank's decision to sack three senior executives over a bond mis-selling case.Chakraborty had joined HDFC Bank in 2021 after completing his stint as the Union finance secretary. He was at the top of the game in the government then and went straight to the top of the corporate leadership at the bank. Observers say the transition could have caused discomfort to some interests at the bank.He had been a secretary of economic affairs, which put him on the central board of the RBI and gave him direct exposure to the regulatory oversight of the banking system.In the 35 years he gave to the Indian Administrative Service, he was tasked to intervene in petroleum, fertilisers, infrastructure, and finance sectors at the level of policy and regulation. As a 1985-batch Gujarat cadre officer, he spent nearly three decades in the state before moving to the Union government—first to the petroleum ministry in 2016 and later to the finance ministry in 2018.With time, he built a reputation of being a capable administrator with a foot in the corridors of power in New Delhi. This profile and network strength equipped him with the moral and legal compass to spot intentional or unintended malfunctioning of any system.Chakraborty's experience and exposure made his placement in the board of HDFC Bank a relevant fit at a time when it was contemplating merger with HDFC Ltd.

CBI quizzes 3 ex-senior execs of Anil Ambani group in fraud probe

New Delhi.(Agency)

Deepening its investigation into the alleged multi-crore fraud involving Reliance Communications (RCOM) and State Bank of India (SBI), CBI has questioned three former top-tier executives of the Anil Ambani-led Reliance Group.The agency issued summons to Satish Seth and Gautam Doshi, both former group managing directors, for examination in connection with the FIR registered following a formal complaint by SBI. This followed the questioning of a third former group managing director, Amitabh Jhunjhunwala.Seth, who previously held the position of vice-chairman at Reliance Infrastructure Ltd and served on the board of Reliance Telecom Ltd (RTL), was questioned alongside Doshi, who was also a board member of RTL. Sources said that the CBI examined Jhunjhunwala over a three-day period leading up to the scheduled appearance of Anil Ambani on March 19 and 20.years.

Warburg Pincus-backed Truhome Finance files DRHP with Sebi for Rs 3,000-crore IPO

Truhome Finance was formerly known as Shriram Housing Finance. It was a wholly owned subsidiary of Shriram Finance and was acquired in December 2024 by New York-based global private equity firm, Warburg Pincus. The Rs 3,000-crore issue will be equally divided between a fresh issue and an OFS part.

New Delhi.(Agency)

Truhome Finance, formerly a wholly owned subsidiary of major NBFC Shriram Housing Finance, will raise Rs 3,000 crore via an IPO that is equally split between a fresh issue and an OFS part. The OFS will consist of sale of shares by promoter Mango Crest Investment. The company is in the business of offering secured loans such as housing loans, loans against property and such products. The average ticket size of disbursals is about Rs 21.3 lakh as at the end of the Q3FY26 period. It has a pan-India distribution network of 216 branches spanning Metropolitan as well as Tier I, Tier II and Tier III cities across 19 states and union territories.

Deployment of IPO proceeds

According to the prospectus, the IPO proceeds will be utilised to augment the capital base to meet the company's future requirements including general corporate purposes and onward lending. The management intends to deploy the money over the course of FY27 and FY28.JM Financial, IIFL Capital Services, Jefferies India and Kotak Mahindra Capital Company have been appointed the bankers to the issue. Truhome Finance recently appointed former SBI Chairman Dinesh Kumar Khara as its chairperson for a five-year term.

Truhome Finance business

During the nine months ended December 2025, Truhome Finance disbursed Rs 6382.446 crore in loans. In terms of disbursement, it is one of the fastest growing affordable housing finance companies in the country with a CAGR of 31.14% over FY23-FY25 period. It has maintained asset quality, with gross stage-3 assets at 1.60% and net stage-3 assets at 1.09% as of December 2025, while the 30+ days past due (DPD) stood at 3.15%.

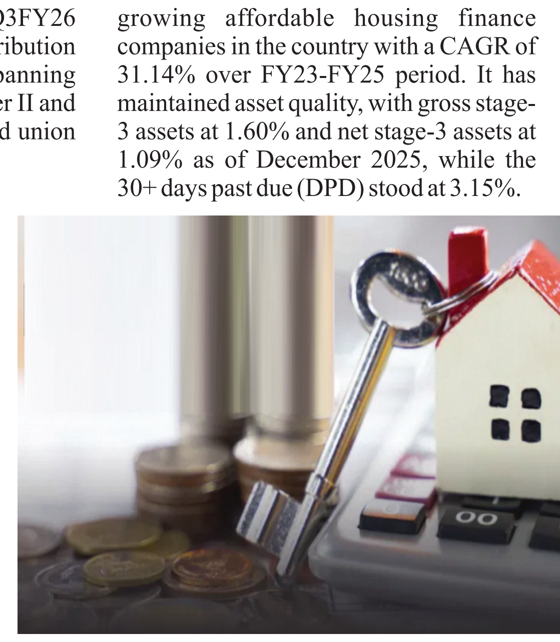

Third largest affordable housing company, Truhome Finance is the third largest affordable housing finance company in the country. Its AUM was Rs 21,124.32 crore. It is the fastest growing affordable housing finance company in India in terms of CAGR of AUM CAGR over FY25, FY24 and FY23 which stood at 48.58%. It also has the highest AUM per branch of Rs 107.230 crore as of Dec 31, 2025.The AUM is primarily driven by housing loans, which account for 57.37% of total AUM with an average ticket size of Rs 19.1 lakh. Loans against property contribute 39.22% of AUM with an average ticket size of Rs 20.7 lakh and other loan products account for 3.41% of AUM with an average ticket size of Rs 11.882 million.

Truhome Finance profits

Truhome Finance reported a PAT of Rs 333.53 crore for Q3FY26 period. Return on assets stood at 2.66% and return on equity (RoE) at 11.62% (annualised for 9MFY26). Total income surged from Rs 780.496 crore in FY23 to Rs 1,905.48 Crores in FY25, while PAT almost doubled from Rs 137.75 crore to Rs 286.24 crore over the same period. Operating expenses as a percentage of disbursements increased from 4.87% in FY23 to 7.17% in FY25.

Man who stabbed Kerala doctor 27 times with scissors handed life term by court

Kollam Additional District and Sessions judge P N Vinod sentenced G Sandeep to a total of 30 years for various offences under the then Indian Penal Code (IPC) and said that after he serves that period, his life imprisonment for Das' murder will commence.

New Delhi.(Agency)

A teacher convicted in the sensational murder of Dr Vandana Das inside a hospital here was sentenced to a life term on Saturday, and the prosecution said it will move an appeal seeking the death penalty for the accused. The victim's family also batted for "maximum punishment."Dr Das was brutally killed inside a taluk hospital in May 2023 by G Sandeep.

Kollam Additional District and Sessions judge P N Vinod sentenced Sandeep to a total of 30 years for various offences under the then Indian Penal Code (IPC) and said that after he serves that period, his life imprisonment for Das' murder will commence. The court also imposed a fine of Rs 2.35 lakh on the convict.

Though the prosecution had sought the death penalty for the accused during the arguments on sentence, the court was of the view that the case did not fall under the rarest-of-rare category to warrant the maximum punishment.

It was also of the view that there was a chance of the convict getting reformed, as he told the court that the rest of his life would be one of repentance, the order on sentence said.

"At the same time, I agree with the stand of the prosecution to the effect that the sentence should be commensurate with the gravity of the crime and the sentence should not only be reformative, but should also have a deterrent effect."

"In my view, the said objective can be achieved by directing that the term sentences that will

be imposed will run consecutively and the life sentence that has to be imposed will commence only after the expiration of the term sentences," the judge said.

After the verdict, special public prosecutor (SPP) Prathap G Padickal told reporters outside the court that he would recommend to the prosecution to file an appeal seeking enhancement of the life imprisonment to the death penalty.

The victim's father said that the verdict has come as a relief for the family, but that he cannot authoritatively say whether his late daughter has got justice. He indicated his dissatisfaction with the punishment, saying that steps will be taken to seek its enhancement after discussions with the public prosecutor.

Dr Das' mother said that the family could only wish for the maximum punishment, and it was up to the court to decide what sentence should be given. She said that the family will go on appeal, but declined to comment on whether her daughter got justice.She tearfully said that she wants the convict to suffer the same pain that her daughter underwent "as he stabbed her 27 times".

The court on March 17 had convicted Sandeep for various offences under the IPC, including murder, destruction of evidence and wrongful restraint.It had also held him guilty under the provisions of the Kerala Healthcare Service Persons and Healthcare Service Institutions (Prevention of violence and damage to property) Act 2012.Sandeep was brought to the taluk hospital by the police for medical treatment during the small hours of May 10, 2023, and he went on a sudden attacking spree using a pair of surgical scissors kept in the room where his leg injury was being dressed.A school teacher by profession, he had initially attacked the police officers and another person who had accompanied.

Rumours of cow vigilante Farsa Wale Baba's 'murder' spark violence, FIR against 300

New Delhi.(Agency)

Cow vigilante Chandrashekhar alias Farsa Wale Baba lost his life in a fog-induced collision between a truck and a vehicle in the Kosi Kala area of Mathura on Friday, March 20.The killing of Farsa Wale Baba triggered cow vigilante supporters, and in response, the community staged a protest on the Delhi-Agra Highway. The demonstrators also pelted stones at the police.

All the chaos happened because four people attempted to incite a riot by spreading rumours about the accidental death of cow protector Farsa Wale Baba, alleging cow smuggling. The rumours triggered the cow protectors. Police have arrested all the accused, and an FIR has been filed against them. One of the accused is identified as Daksh Chaudhary, a resident of outside Mathura.On the Delhi-Agra Highway, the protestors injured more than 10 police personnel, including the SP Rural and ADM Administration, and damaged seven official vehicles.

According to the police, a large number of people became agitated following Baba's death and created a ruckus by blocking the highway. Officials have to use more than 50 tear gas shells, rubber bullets, smoke grenades, and short cartridges to control the unrest.

FIR has been registered against 300 people

Officials have taken strict action as they registered an FIR against 300 unidentified individuals and arrested 13 accused so far.

Chhata Kotwali in-charge Kamlesh Singh has filed an FIR, and the search is going on for others.The case registered against the accused under sections 109(1), 190, 191(2), 191(3), 352, 351(2), 195, 132, and 324(4) of the Indian Penal Code (IPC), Section 7 of the Criminal Law Act, Sections 3 and 4 of the Prevention of Damage to Public Property Act, and Section 67 of the Information Technology Act.

The administration says strict action will be taken against those who disrupt law and order. A heavy police force is currently deployed in the area, and the situation is reportedly under control.

US Ship Carrying LPG Reaches India Amid Middle East Crisis

Before the ship from the US, named Aqua Titan, reached India, another vessel carrying Russian crude oil also reached Mangalore.

New Delhi.(Agency)

Amid the global supply chain crisis, a large cargo ship carrying liquefied petroleum gas (LPG) from the US has arrived at the Mangalore Port in the country.Pyxis Pioneer cargo ship carrying LPG from the US state of Texas, successfully docked at the port.

Before the ship from the US, named Aqua Titan, reached India, another vessel carrying Russian crude oil also reached Mangalore, reports.

This particular vessel was stationed about 18 nautical miles away from the port. The single-point mooring system will be used to transfer the oil to the pipeline system and take it to MRPL.

The Russian crude oil arrived after the US issued a temporary general license, permitting the sale of Russian crude oil already stranded at sea as of March 12.

The move is aimed at stabilising global fuel prices amid the tensions in the Middle East.

Meanwhile, India has sharply increased its purchases of Russian oil. The move came shortly after the United States allowed India to temporarily boost its imports of Russian oil.

The surge in buying is aimed at managing supply concerns after disruptions in Middle Eastern oil supplies due to the ongoing conflict involving Iran.

Earlier, the Indian-flagged liquefied petroleum gas (LPG) tanker 'Nanda Devi' arrived at Vadinar Port in Gujarat, becoming the second LPG carrier to reach the west coast this week after 'Shivalik' docked at Mundra Port.

Both vessels transported critical LPG supplies to India following an unusually hazardous passage through the Strait of Hormuz, where maritime traffic has been disrupted by the ongoing conflict involving Iran, the US and Israel.A total of 22 Indian-flagged vessels with 611 Indian seafarers remain in the western Persian Gulf region and DG Shipping is monitoring the situation in coordination with ship owners, RPSL agencies and Indian Missions.

Dr Vandana Das killing: Kerala court sentences teacher G Sandeep to life term

New Delhi.(Agency)

After finding the sole accused in the killing of Dr. Vandana Das, the Kerala court sentenced G. Sandeep to a life term on Saturday, March 21. The prosecution is moving the appeal further as the prosecution and the family of Vandana seek the death penalty for the accused.In 2023, Sandeep was taken to Kottarakkara Taluk Hospital by the police for treatment as he was injured during an altercation with his neighbour. During his treatment, he attacked Vandana with a pair of scissors 27 times in the hospital, and this was the first instance in which an on-duty doctor was killed inside the hospital.

The Kollam Additional District and Sessions judge, P N Vinod, found Sandeep guilty of the crime on Tuesday, March 17, and now handed him a total of 30 years of imprisonment for various offenses under the then Indian Penal Code (IPC) and said that after he serves that period, his life imprisonment for Das' murder will begin in a post-conviction judgment.

Additionally, the court also fined Sandeep Rs 2.35 lakh. However, the prosecution isn't satisfied with the court's judgment and sought a death penalty for the accused. In response, the Court didn't see the Das' murder as a rarest-of-rare category to give maximum punishment to the accused."At the same time, I agree with the stand of the prosecution to the effect that the sentence should be commensurate with the gravity of the crime and the sentence should not only be reformative, but should also have a deterrent effect," the judge said.

Ticket Prices Likely To Soar As Centre Lifts Domestic Airfare Cap

The cap had been imposed after ticket prices rose following the IndiGo disruptions in December last year.

New Delhi.(Agency)

Domestic airfares are set to be deregulated from Monday, with the government removing the temporary cap on ticket prices, opening the door for airlines to freely set fares amid rising operating costs.The move comes months after the Centre had imposed a ceiling on domestic fares in December 2025 following widespread flight disruptions, particularly by IndiGo, which had triggered a sharp spike in ticket prices across the sector.

With the cap now lifted, airlines will no longer be bound by the earlier upper limit of approximately Rs 18,000 (based on distance) for a one-way economy ticket and can price tickets according to demand and market conditions.

In its order removing the limit, the Civil Aviation ministry said "excessive or unjustified surge in fares during periods of peak demand, disruptions, or exigencies, will be viewed seriously" and that fare caps or other interventions can be reintroduced "if required in public interest".The fare caps had been brought in as an emergency measure to protect passengers from sudden price surges after mass cancellations led to reduced capacity and inflated ticket prices.

The removal also comes against the backdrop of increasing aviation turbine fuel (ATF) prices and geopolitical tensions impacting flight operations, both of which have significantly raised airline expenses.

Officials said the decision aims to restore normal market dynamics in the aviation sector, allowing carriers greater pricing flexibility as the industry stabilises after the disruption-led volatility.

Airlines had been pushing for the removal, citing mounting financial pressure. Industry body Federation of Indian Airlines had flagged that continued fare restrictions were leading to revenue losses at a time when carriers are already grappling with rising fuel costs and operational challenges.

Rs 3,700 cr for Peripheral Expressway land acquisition approved by government

New Delhi.(Agency)

The Delhi government has approved the payment of its pending share for land acquisition related to the Eastern and Western Peripheral Expressways.

The move is expected to ease congestion caused by heavy vehicles and help reduce pollution levels in the national capital. The expressways were designed to divert non-destined traffic, especially trucks, away from Delhi, thereby reducing pressure on city roads.

Taking a swipe at the previous government, CM Rekha Gupta alleged that the project suffered due to a lack of seriousness and political differences with the Centre, leading to deliberate delays in clearing dues and harming city's interests.

Gupta said the Cabinet recently approved a proposal by the Public Works Department to clear the outstanding amount in a phased manner. Under the plan, Rs 500 crore will be released in the financial year 2025–26 from revised budget estimates to the Union Government or the National Highways Authority of India (NHAI). The remaining Rs 3,203.33 crore will be paid in instalments in the coming years, depending on budgetary provisions.

According to the Chief Minister, the expressways, operational since 2018, have created a protective traffic ring around Delhi through Haryana and Uttar Pradesh. She said the payment would resolve long-pending inter-state financial issues and improve coordination with the Centre for future infrastructure projects.

The project has already reduced travel time and helped improve air quality by limiting the entry of heavy diesel vehicles into the city.CM criticised the previous administration for neglecting long-term development, alleging that delays in fund release stalled progress for years. She asserted that with this decision, infrastructure projects will no longer suffer due to financial constraints or political deadlock.The Chief Minister expressed confidence that the move will accelerate Delhi's progress towards becoming a "smart and pollution-free" capital and reiterated her government's commitment to working in coordination with the Centre.

Act responsibly: Govt withdraws domestic airfare caps imposed after IndiGo fiasco

The government has withdrawn temporary domestic airfare caps from March 23, 2026, citing stabilised operations and restored capacity. Airlines have been asked to maintain fair, transparent pricing, with authorities warning of strict action if fares rise excessively.

New Delhi.(Agency)

The Ministry of Civil Aviation has withdrawn the temporary fare caps imposed on domestic airfares, citing stabilisation in flight operations across the sector.

In the order, Ministry said the caps, which were introduced on December 6, 2025, were aimed at containing abnormal surges in ticket prices following large-scale flight disruptions by IndiGo, while also safeguarding passenger interests and ensuring affordability during a period of constrained capacity.With operations now normalised and capacity restored, the government has decided to withdraw the fare caps with effect from March 23, 2026.

However, the Ministry has directed airlines to maintain pricing discipline and act responsibly. It emphasised that fares must remain reasonable, transparent, and aligned with market conditions, ensuring that passenger interests are not adversely impacted.

The government also warned that any instance of excessive or unjustified surge in airfares, especially during peak demand periods, disruptions, or exigencies, will be viewed seriously. It said that airfare trends will continue to be monitored closely on a real-time basis.

The Ministry further said that it reserves the right to take appropriate regulatory or administrative measures, including the possible reintroduction of fare controls or other interventions, if required in the public interest.

The order was issued with the approval of the competent authority and has been forwarded to the Director General of Civil Aviation (DGCA) with a request to monitor airfares across the sector.

The Ministry of Civil Aviation (MoCA) imposed emergency caps last year on domestic airfares following one of the country's worst aviation disruptions in recent years. The move came after IndiGo cancelled thousands of flights due to a pilot-rostering crisis, triggering a surge in ticket prices on busy routes and forcing the government to intervene.

Under the earlier imposed fare caps, one-way economy fares for flights up to 500 km couldn't exceed Rs 7,500. Routes between 1,000 and 1,500 km, such as Delhi-Mumbai, were capped at Rs 15,000, while fares for sectors over 1,500 km have been set at Rs 18,000.

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Monday, 23 March 2026

NEWS BOX

Sri Lanka Raises Fuel Prices By 25% As US-Israel War With Iran Bites

Sri Lanka. (Agency)

Sri Lanka raised fuel prices by 25 percent on Sunday, the second increase in two weeks, as the country prepared for more impact from the war in the Middle East.Regular petrol was increased to Rs 398 ($1.30) per litre, up from Rs 317, while diesel, the fuel commonly used for public transport, rose by Rs 79 to 382.Last week, the government ordered an eight percent increase in retail fuel prices and introduced rationing to limit consumption."We hope to achieve a 15 to 20 percent reduction in fuel consumption with the latest increase," an official at the Ceylon Petroleum Corporation said.He said President Anura Kumara Dissanayake told them last week that the country must prepare for a prolonged conflict in the Middle East that could affect the island's energy supplies.The president ordered a four-day working week from last Wednesday and asked employers to reintroduce work-from-home arrangements where possible.The Strait of Hormuz, a key waterway through which some 20 percent of global oil exports pass in peacetime, has been effectively closed by Iran in retaliation over the US and Israeli war against it, now entering its fourth week.Sri Lanka imports all of its oil and also buys coal for electricity generation.

Sri Lanka buys refined petroleum products from Singapore, Malaysia and South Korea, while crude oil for its Iran-built refinery is sourced from the Middle East.The government has warned that the fighting in the Middle East, and a prolonged war, could seriously undermine its efforts to emerge from the economic meltdown of 2022.

Sri Lanka defaulted on its $46 billion foreign debt in 2022 after the country ran out of foreign exchange. Since then, Colombo has secured a $2.9 billion IMF bailout.

Iran's Natanz Attacked: How Damaged Nuclear Sites Can Pose Radiation Risks

World.(Agency)

For decades, Pakistan cultivated terror networks as instruments of foreign policy. The Global Terrorism Index (GTI) 2026 documents, with clinical precision, what that calculus has produced. Pakistan ranks first on the GTI for the first time, becoming the world's most terror-affected country in 2025, with 1,139 deaths, 1,045 attacks, 1,595 people injured, and 655 hostages.Its score of 8.574 puts it ahead of every other country on the index. This is Pakistan's deadliest year since 2013, and the sixth consecutive year in which terrorism deaths have risen. Across South Asia, it is the only country where the situation worsened in 2025; ethe geography of Pakistan's tribal belt, which was for decades a semi-governed sanctuary for the Taliban, the Haqqani Network, al-Qaeda, and eventually the itself.Ethnic Pashtun continuity across the Durand Line allowed terrorists to move freely. Pakistani madrassas inside Afghan refugee camps were the ideological incubators for many of the people who would become the Taliban, and later, the TTP.If released, these can spread widely. Iodine-131 is especially harmful: if inhaled or ingested, it accumulates in the thyroid gland and sharply increases the risk of cancer, particularly in children.Uranium, especially when highly enriched, emits radiation, including gamma rays that can penetrate the human body and damage DNA. Radiation exposure can occur through inhalation of airborne particles, ingestion of contaminated food or water, or, less commonly, skin contact. Uranium is also a toxic heavy metal, meaning it can damage organs like the kidneys even without significant radiation exposure, as per a NYT report.

In nuclear enrichment sites like Natanz, uranium is less immediately dangerous than reactor byproducts. “The attack on the enrichment sites in Iran doesn't pose the same hazard as an accident with a functioning nuclear reactor,” Simon Middleburgh, professor of Nuclear Engineering at the Nuclear Futures Institute at Bangor University, UK, told Time Magazine.

Saudi Arabia records over 22,000 violations, arrests thousands in one-week crackdown on residency, labour and border breaches

world.(Agency)

Saudi Arabia’s sweeping enforcement drive against residency, labour and border violations has led to tens of thousands of arrests and legal actions within just one week, highlighting both the scale of the issue and the government’s firm response.Saudi Arabia’s joint field campaigns to monitor and apprehend violators of residency, labour and border security regulations recorded 22,931 violations across all regions between March 12 and 18, 2026, the Ministry of Interior announced. Of those arrested, 17,181 were found in violation of residency laws, 3,931 for border security violations, and 1,819 for labour law breaches, indicating that the majority of cases stem from irregular residency status.The enforcement operations also led to the detention of 1,635 individuals attempting to illegally enter the Kingdom. Among them, 68% were Ethiopian nationals, 29% were Yemenis, and 3% belonged to other nationalities. Authorities further reported that 40 individuals were arrested while attempting to leave the country illegally, pointing to continued efforts to monitor both entry and exit routes.In addition to those directly violating regulations, 36 individuals were apprehended for facilitating offences, including transporting, sheltering or employing violators and attempting to cover up their activities. The ministry’s data also shows the scale of ongoing legal proceedings, with 29,564 expatriates currently undergoing procedures, including 26,714 men and 2,850 women.

Trump's mixed messages on Iran: 'Winding down' the war and easing sanctions but adding more troops

Now in its fourth week, the war remains on an unpredictable path and a credible endgame is unclear even as the global economy is being roiled.

SEOUL. (Agency)

President Donald Trump frequently contradicts himself, sometimes in the same speech, social media post or even sentence. Within the space of a few hours Friday, he sent a torrent of mixed signals about the Iran war that raise more questions about the direction of the conflict and his administration's strategy.During this time, Trump said he was considering winding down the war, his administration confirmed it was sending more troops to the Middle East and, in an effort to lessen the economic impact on global energy markets, the United States lifted sanctions on some Iranian oil for the first time in decades — relieving some of the pressure that Washington traditionally has used as leverage.The confusing combination of actions deepens a sense among Trump's critics that there is no clear, long-term strategy for the war the U.S. and Israel launched against Iran. Now in its fourth week, the war remains on an unpredictable path and a credible endgame is unclear even as the global economy is being roiled.

Just 24 hours after saying the U.S. was thinking of walking away from the conflict, Trump issued another contradictory statement Saturday evening, threatening to escalate the conflict by targeting Iran's power plants unless the country lets oil shipments pass through the Persian Gulf.

'Winding down' the war

After another rough day in the financial markets, Trump said Friday afternoon on his social media network: "We are getting very close to meeting our objectives as we consider winding down our great Military efforts in the Middle East."Trump contended the U.S. has adequately degraded Iranian naval, missile and industrial capacity and prevented Tehran from acquiring a nuclear weapon.

The Republican president then suggested the U.S. could pull out of the conflict without stabilizing the Strait of Hormuz, the channel through which about one-fifth of the world's oil supply travels. The strait has been ravaged by Iranian missile, drone and mine attacks during the war.

"The Hormuz Strait will have to be guarded and policed, as necessary, by other Nations who use it — The United States does not!" Trump wrote. But, in another contradiction, he said the U.S. would help if asked, "but it shouldn't be necessary once Iran's threat is eradicated."While oil that traverses the strait is usually bound for Asia and other places rather than North America, the chaos still affects the United States. Oil is bought and sold globally, so a shortage in oil for Asian countries leads to bidding up prices on oil sold to companies in America, too.That fact, coupled with an Israeli strike on Iran's gas fields and an Iranian retaliation that crippled a major terminal to ship liquefied natural gas from Qatar, helped tank U.S. equity markets Friday, with the S&P 500 dropping 1.5%. There also was a sharp increase in U.S. fuel prices.Trump's concern about the persistent blockage of the strait erupted Saturday night when the president posted on social media that he'd "hit and obliterate" Iran's power plants unless the country opens the strait within 48 hours.

Iran missile strikes wound over 100 in two south Israel towns

ARAD. (Agency)

Iranian missile strikes on two southern Israeli towns wounded more than 100 people on Saturday, medics said, after Israeli air defence systems failed to intercept the projectiles.The two direct hits tore open the fronts of residential buildings and carved craters into the ground.Magen David Adom first responders said 84 people were wounded in the town of Arad, 10 of them seriously, hours after 33 were wounded in nearby Dimona.Iranian state TV said the missile attack on Dimona, which houses a nuclear facility, was a "response" to an earlier strike on its own nuclear site at Natanz.

AFP footage from Arad showed rescue workers sifting through rubble for wounded people in a bombed-out building.Fire engines with their lights flashing were at the scene along with dozens of members of the emergency services.The Israeli military said it would investigate the failed interception."The air defence systems operated but did not intercept the missile, we will investigate the incident and learn from it," military spokesman Brigadier General Effie Defrin wrote on X.The local fire service said there was "extensive damage" in Arad, with three buildings affected and a blaze sparked in one of them.Medic Riyad Abu Ajaj described "extensive destruction" at the site of the strike, in a statement from the organisation."There was a lot of chaos at the scene," he said.The rescue operations came not long after similar scenes in Dimona, around 25 kilometres (15 miles) to the southwest.AFPTV footage from the scene showed a large crater gouged into the ground next to piles of rubble and twisted metal.Surrounding buildings had their windows blown out and facades heavily damaged as emergency workers combed through the site.Medics said they treated 33 people injured in the town, including a boy with shrapnel wounds who was in serious condition but conscious.Dimona hosts a facility widely believed to possess the Middle East's sole nuclear arsenal, although Israel has never admitted possessing nuclear weapons.

Woman Dies Soon After Takeoff On British Airways Flight, Passengers Spend 13 Hours With Body On Plane

HONG KONG. (Agency)

A female passenger in her 60s died shortly after takeoff on British Airways Flight BA32 from Hong Kong to London on Sunday. Following the death, her body was reportedly stored in a rear galley with a heated floor for the remainder of the 13.5-hour journey. According to Fox News, the woman died approximately one hour after the Airbus A350-1000 departed Hong Kong.Despite the death, the pilots decided to continue the journey to Heathrow Airport rather than diverting or returning to Hong Kong, as a passenger death is typically not classified as a medical emergency. Crew members initially considered placing the body in a lavatory, but this option was rejected. Instead, the body was wrapped and moved to a rear galley.A source said, "Obviously, the family with the woman was distraught, and so was the crew. Many wanted to return to Hong Kong. But, to put it bluntly, if a passenger has already died, that is not viewed as an emergency." However, the staff reportedly overlooked the fact that the galley floor was heated. This heat allegedly caused

a pungent smell to develop and spread through the back of the cabin as the flight progressed.As the flight neared London, many of the 331 passengers and crew members reported a foul smell emanating from that section of the plane. Upon landing, police boarded the aircraft and required all passengers to remain seated for approximately 45 minutes while they investigated. British Airways stated that "all procedures were correctly followed" during the incident. The airlines told Fox News Digital, "A customer sadly passed away on board, and our thoughts are with their family and friends at this difficult time. We are supporting our crew, and all procedures were correctly followed."

The International Air Transport Association has certain guidelines for handling cases where a passenger dies mid-flight. The body is typically placed in a body bag or covered with a blanket up to the neck. Efforts are made to relocate the body to a less conspicuous area of the plane, such as an empty seat or a different section, if feasible. However, if the flight is fully booked, the body may be returned to the original seat.A 2013 study in the New England Journal of Medicine found that deaths on flights are relatively rare, with only 0.3 percent of in-flight medical emergencies resulting in death.

"Can Reach Berlin, Paris": Israel As Iran Uses Long-Range Missiles For 1st Time

FLORIDA.(Agency)

Israeli officials said on Saturday that Iranian forces had for the first time fired long-range missiles, expanding the risk of attacks beyond the Middle East, even as an Iranian strike injured dozens of people not far from Israel's nuclear site.Iran launched two 4,000-kilometer-range ballistic missiles at the US-UK military base Diego Garcia in the Indian Ocean, Israeli military chief Eyal Zamir said. The Israeli military said it was the "first time" Iran had used long-range missiles in the conflict, marking its first expansion beyond the Middle East since the United States and Israel began attacking Iran on February 28.

"These missiles are not intended to strike Israel. Their range reaches European capitals - Berlin, Paris, and Rome are all within direct threat range," Zamir said in a statement.A source at Britain's defence ministry said the attack had occurred before the government gave specific authorisation on Friday for the US to use British military bases to carry out strikes on Iranian missile sites.More than 2,000 people have been killed in Iran since the US and Israel began their attacks. In Israel, 15 people have been killed in Iranian strikes since the war started.Late on Saturday, Iranian missiles struck the southern Israeli cities of Dimona and Arad, injuring dozens of people, including children, in separate strikes. Iran's Revolutionary Guards said in a statement early Sunday that they targeted "military installations" and security centers in southern Israel.

Israeli army spokesperson Brigadier General Effie Defrin said in a post on X that the country's air defenses were functioning but did not intercept the strikes. "We will investigate the incident and learn from it," he said.

Israel's secretive nuclear reactor is about 13 kilometers southeast of Dimona. Both cities lie near several military sites, including Nevatim Air Base, one of the country's largest."This has been a very difficult evening in the battle for our future," Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said in a statement released by his office following the strike on Arad.We are determined to continue striking our enemies on all fronts," the statement said.

Trump Considers 'Winding Down'

US President Donald Trump on Friday posted that Washington was considering "winding down" its military operation against Iran.

In a social media post, Trump said the US was close to meeting its goals but insisted that other countries should take the lead in policing the Strait of Hormuz, the shipping lane whose near-closure threatens a global energy shock."We are getting very close to meeting our objectives as we consider winding down our great Military efforts in the Middle East with respect to the Terrorist Regime of Iran," Trump said on Truth Social.Trump and his administration have sent mixed messages about US goals throughout the war, now entering its fourth week, leaving traditional US allies struggling to respond.

Cuba hit by second nationwide blackout in a week

HAVANA.(Agency)

Cuba plunged into darkness for the second time in less than a week on Saturday after its national power network failed again, strained by aging infrastructure and a US oil blockade.As night fell, Havana's streets were mostly pitch black, with people navigating using phone lights or flashlights, just five days after the previous blackout.In the touristy old city, some restaurants were able to stay open thanks to generators, with musicians playing music, but the regular blackouts have made life more difficult for Cubans."This is becoming unbearable," Ofelia Oliva, a 64-year-old Havana resident, told AFP.

"It hasn't even been a week since we experienced a similar situation. It is getting tiresome," Oliva said as she returned home after giving up on plans to visit her daughter.The "total disconnection" of the national electricity system was due to an outage in a power unit at one of the country's thermoelectric plants, causing a "cascading effect", the state-owned Cuban Electric Union said.It said it was activating micro-grids to provide power to critical facilities, including hospitals and water treatment plants."I wonder if we're going to be like this our whole lives. You can't live like this," Nilo Lopez, a 36-year-old taxi driver, told AFP.US Blockade

The country's electricity generation is sustained by a network of eight aging thermoelectric plants -- some in operation for over 40 years -- that suffer frequent breakdowns or must be shut down for maintenance cycles.Cubans face daily blackouts of up to 15 hours in Havana. In the interior of the island, these outages can exceed 40 hours.The breakdowns have intensified since Cuba's main regional ally and oil supplier, Venezuela's socialist leader Nicolas Maduro, was captured in a US military operation in January.

And US President Donald Trump has threatened to impose tariffs on countries that sell oil to Cuba.No oil has been imported to the island since January 9, hitting the power sector while also forcing airlines to curtail flights to the island, a blow to the all-important tourism sector.

The blackout occurred as an international aid convoy began to arrive in Havana this week, bringing sorely-needed medical supplies, food, water and solar panels to the island.Honor of taking Cuba

The crisis in the country of 9.6 million people comes as Trump has made no secret of his desire to see regime change in Havana.

"I do believe I'll be...having the honor of taking Cuba," he said."Whether I free it, take it -- think I could do anything I want with it, you want to know the truth. They're a very weakened nation right now."The next day, Cuban President Miguel Diaz-Canel warned that "any external aggressor will encounter an unbreakable resistance."

Tanieris Dieguez, Cuba's deputy chief of mission in Washington, told AFP earlier this week that Havana was open to broad talks with Washington and allowing more investment.But she said Cuba's political system would "never" be part of the negotiations.The outages as well as regular shortages of food, medicine and other basics are spurring frustrations, with demonstrators vandalizing a provincial office of the Cuban Communist Party last weekend.With Cuba in desperate need of fuel, maritime trackers reported this week that two tankers carrying Russian oil and diesel appeared to be on their way to the island, but their status remains unclear.

NEWS BOX

IPL teams should deduct player's money if he is unable to fulfill role: R Ashwin

New Delhi. (Agency)

Should IPL teams be allowed to deduct money from players' wages if they are unable to fulfill their role for the side? R Ashwin feels so and he used the example of Cameron Green to drive home the point. Green was bought by KKR for Rs. 25.2 crores, making him the most expensive foreign player in the history of the tournament. The Australian all-rounder is expected to fill the void left by Andre Russell, meaning that Kolkata will look to him to deliver with bat and ball.However, since his return from his back injury, Green has been cautiously used by Australia with the ball. During the 2025-26 Ashes series, the all-rounder bowled just 61.5 overs across nine innings. In the T20 World Cup 2026 campaign, Green was used by Australia for just 3.1 overs in four matches.

Speaking on his YouTube channel, Ashwin wondered if Green will be able to bowl four overs during an IPL game in the upcoming season, given that he may be told by Cricket Australia to manage his workload."There is a

question about Cameron Green. Will Cricket Australia allow him to bowl all four overs? That is also a possibility. In this scenario, the Australian board is saying to Green that he can play in the IPL, but Test cricket is very important for us, so you can play only this much of workload," Ashwin said."IPL teams also should have an opportunity where if he bowls only two overs, then they should deduct (Rs) 2 crores. Why not? If he (a player) is not able to deliver his four overs, then you should have the right to cut their money, right?"

'IF THERE IS A RESTRICTION, THEN CUT THE MONEY'

Ashwin also said that Green was roped in to fulfill both roles and the owners will be left disappointed if he remains restricted.

"When you came into the IPL auction, the expectation was that you will bowl all four overs, and also bat. If there is no restriction on bowling, then great, but if there is restriction the team should be allowed to cut from the contract money," Ashwin elaborated.

Shreyanka Patil, stronger and wiser, fights past pain to reignite T20 World Cup flame

In an exclusive interview with India Today Digital, Shreyanka Patil opened up on battling one of the toughest phases of her career, with multiple injuries leaving her full of doubt. Having recently made her India comeback on the Australia tour, Shreyanka now hopes to help India chase their maiden Women's T20 World Cup title

New Delhi. (Agency)

After a forgettable start to the WPL, Shreyanka scripted a remarkable comeback, won the Purple Cap, and looked destined for greater things. It felt like the world was finally opening up for her, like this was the year she would truly arrive.But just when the sky seemed within reach, everything began to slip away. A fractured finger during the Asia Cup halted her momentum, and though she recovered in time to play the T20 World Cup, India's campaign ended in heartbreak.What followed was even more heartbreaking for the all-rounder. Grade 3 shin splints in both legs forced her out of the game for months. Just when she had endured the grind of rehab and begun to believe the worst was behind her, the injury resurfaced, pushing her comeback further away and eventually ruling her out of WPL 2025.

For someone who had looked ready to conquer the stage, it was a devastating experience.

And yet, it is often in those darkest phases that athletes are truly forged. The hurt did not break her - it shaped her, leaving behind a cricketer who is not just gifted, but far stronger than before.

"In that one-year period, I learned a lot. There were disappointments and ups and downs, but what I gained as a person is greater maturity and an understanding of how to navigate difficult situations. Physically, I wasn't very fit, and mentally I felt low, so I had to figure out how to come out of it on my own," Shreyanka told India Today in an exclusive interview.

MEDITATION, VISUALISATION AND DISCOVERYShreyanka had the support of her loved ones around her, but the hardest battles were the ones she had to fight within herself. Her comeback was not just about recovering from injury; it was a deeply personal journey of pain, patience, and self-discovery.There were no ready-made answers, no quick fixes. Instead, she had to find her own way through the darkness, turning to visualisation, meditation, and learning how to stay calm while navigating

the uncertainty of injuries.

"It wasn't a clear-cut answer that I could get from someone else—it was a personal journey. I experimented with different approaches: visualisation, meeting new people, meditating, staying calm, and managing my injuries. Through trial and error, I discovered my own way forward. I learned a lot from my mistakes, both as an individual and as a cricketer," Shreyanka said."Being injured and mentally down was challenging because I couldn't do what I love most. During that year, I often asked myself, 'What's next? Will I be able to play again?'

"As a cricketer, once you know you've faced and overcome a difficult period, returning to the field makes you truly grateful," Shreyanka added.

THE TOUGH COMEBACK

After an agonising 11-month injury layoff, Shreyanka finally found her way back in September 2025, turning out for Barbados Royals in the Women's Caribbean Premier League. Soon after, she watched from afar as India lifted the Women's World Cup.

She finally wore India colours again in February 2026, ending a painful 16-month wait. But the comeback was far from easy. After picking up 2 for 24 against the Governor General XI, she endured a difficult return at the Sydney Cricket Ground and was dropped for the second T20I in Canberra.

Just when doubts could have returned, Shreyanka found strength in coach Arjun Dev, whose guidance helped her stay afloat.

Chelsea thrashed by Everton, Liverpool's top 4 hopes dented as Brighton win 2-1

New Delhi. (Agency)

Liverpool's bid for a Champions League spot suffered a setback as Brighton and Hove Albion secured a 2-1 Premier League victory on Saturday. Danny Welbeck scored in each half, handing the reigning champions their 10th league defeat of the season.Everton maintained their European ambitions with a 3-0 thrashing of Chelsea, inflicting a fourth consecutive defeat on the visitors across all competitions. Fulham also bounced back to beat Burnley 3-1 after falling behind. Brentford missed an opportunity to strengthen their European prospects, settling for a goalless draw against Leeds United.At the Amex Stadium, Liverpool stayed fifth with 49 points, having earned only one point from their last three league games. Their performance was further hampered by an early injury to Hugo Ekitike.Welbeck scored both goals for Brighton, who are 10th on 43 points. He opened the scoring after 14 minutes with a header assisted by Diego Gomez's cross. Milos Kerkez equalised following a mistake from Lewis Dunk within the first half, to give some hope for Arne Slot's

side.Welbeck restored Brighton's lead shortly after halftime with a VAR-confirmed tap-in, marking his 12th league goal of the season. This was Liverpool's 10th defeat of the campaign as they failed to capitalise on Manchester United's draw against Bournemouth on Friday.

CHELSEA'S WOES CONTINUE

At Goodison Park, Beto scored twice as Everton climbed to eighth with 46 points, while Chelsea remained sixth on 48. Beto's first goal came in the 33rd minute from a pass by James Garner, and he doubled the lead shortly after the hour mark by slotting the ball past goalkeeper Robert Sanchez.Iliman Ndiaye sealed Everton's victory 14 minutes from time with a curled finish, delivering their biggest win over Chelsea since 1987 and their first back-to-back home wins at the new Hill Dickinson Stadium.Fulham's win at Craven Cottage lifted them to ninth place with 44 points. Burnley remain 19th, nine points from safety. Zian Flemming put Burnley ahead on the hour, but Fulham responded with two goals in six minutes. Teenager Josh King capitalised on a Martin Dubravka error before Harry Wilson scored his 10th league goal of the season. Raul Jimenez added a late penalty after Josh Laurent was sent off.

Will Sanju Samson be CSK's wicketkeeper in IPL 2026? Ashwin's post suggests otherwise

New Delhi. (Agency)

Ravichandran Ashwin has sparked speculation about Sanju Samson's role at Chennai Super Kings after sharing glimpses of the wicketkeeper-batter practising high catches in the outfield with no keeping gloves in sight.

In a post on X, Ashwin shared photos of Samson working on his catching skills in the deep under the guidance of fielding coach James Foster. He noted that the session was not just routine warm-up catches but specifically high balls in the deep, a detail that caught the attention of fans and cricket followers.He posed the question to fans about whether Samson might be playing purely as an outfielder for the upcoming season, captioning the post with "Indications or just gradually easing in?"

The question has since set off a wave of speculation. With Samson's trade from Rajasthan Royals to Chennai Super Kings, many fans and experts had assumed a natural transition was on the cards, with Samson taking

over wicketkeeping duties from MS Dhoni.The 44-year-old Dhoni, widely expected to be in the final stretch of his IPL career, seemed the obvious candidate to hand over the gloves. But if Ashwin's post is anything to go by, that may not be the plan at all, and Dhoni could yet play a role from behind the stumps, perhaps in one final curtain call for the Chennai faithful.

Samson's World Cup Heroics Add to the Intrigue

Samson arrived at CSK on the back of a stunning T20 World Cup 2026 campaign, where he was named Player of the Tournament. Despite not featuring in every game, he proved decisive in the final three matches, all of which were must-win situations for India. Stepping up under pressure each time, he scored three consecutive fifties to help India lift the trophy, firmly cementing his reputation as one of the most impactful batters in the country's white-ball setup.

Bowls like Murali, inspired by Ashwin: Tale of young CSK net bowler Jarren

CHENNAI. (Agency)

Jarren Bacher, 22, is part of the Chennai Super Kings camp as a net-bowler. Hailing from South Africa, the off-spinner was part of the Johannesburg Super Kings set-up in the SA20 which concluded earlier this year. Cricket runs in the blood of young Jarren. He is grandson of Dr. Ali Bacher, who played Test cricket and was a noted administrator.

The off-spinner explained how his bowling action is similar to Sri Lankan great Muttiah Muralitharan. "Yes, I bowl the doosra quite regularly. I have a similar action to that of Muralitharan in that I release it (ball) from the back of my hand. I have hypermobility in all of my joints which allows me to bowl the doosra with a straight arm. So my stock delivery can come in or away just depending

on the batter," he said at Guru Nanak college, where he was the chief guest of the inter-college cricket meet.In a country that is home to great fast bowlers like Allan Donald, Makhaya Ntini, Shaun Pollock, Dale Steyn, Morne Morkel, Kagiso Rabada, Jarred was captivated by off-spin. He recollected the time when he chose to become an off-spinner. "I was a wicketkeeper batsman until 14 and there was a better wicketkeeper in my side and I was struggling to get into the team, so I took up bowling and I realized that my bowling was a little bit unique in that I could bowl the doosra and from there I sort of fell in love with bowling and stopped spending time batting," revealed the youngster.

He also spoke on his time so far at the CSK camp ahead of IPL 2026. "So far, I haven't bowled to Shivam Dube because he only arrived yesterday and same with Sanju Samson.

Ishan Kishan gets fiery send off from own teammate during SRH intra-squad game

SRH camp sees a heated moment as Ishan Kishan gets a fiery send-off from teammate Zeeshan Ansari during an intra-squad match ahead of IPL 2026. Kishan has been named as the interim captain for the first few games for SRH.

NEW DELHI. (Agency)

Is there trouble in the SRH camp ahead of the IPL 2026 season? The intra-squad match on Saturday, March 21, saw a heated moment as the team's interim captain Ishan Kishan was given a fiery send-off by his own teammate Zeeshan AnsariThe incident occurred in the eighth over of the SRH B innings with Kishan and Liam Livingstone in full flow. The wicketkeeper took apart Ansari for 20 runs before the spinner got the last laugh and dismissed the SRH interim skipper. While celebrations are usually muted

during intra-squad matches, Ansari wasn't happy with the fact that Kishan went after him in the over and gave a fiery send-off to him.Ansari was angry and kept signalling to Kishan to head to the pavilion and the pair exchanged a few words as well. Kishan was able to see the funny side of things and was laughing as he was making his way off the field. You can see the full video below:While there was speculation on social media hinting at issues within the camp, it seems like it was just in the heat of the moment.

KISHAN, ABHISHEK IMPRESS DURING MATCH

The match on Saturday saw both Abhishek Sharma and Kishan impress with the bat, giving SRH hope heading into the IPL 2026 opener against RCB. Abhishek, who struggled for form during the T20 World Cup, scored a quickfire 94.Kishan was dismissed by Ansari on 72 off just 24 balls as Hyderabad fans will be happy to see the interim captain and vice-captain step up before the first match of the season.

SRH will face RCB in a southern derby on March 28 in Bengaluru to start the IPL 2026 campaign.

Liverpool, Chelsea slip up in Champions League race

Arsenal are hot favourites to land the Premier League title for the first time since 2004, with second-placed Manchester City well clear of city rivals Manchester United.

LONDON. (Agency)

Chelsea failed to take advantage of another Liverpool stumble in the race to qualify for next season's Champions League on Saturday, hammered 3-0 by Everton to remain outside the top five.Champions Liverpool had slipped to a 2-1 defeat at Brighton in the early kick-off -- their 10th loss of a dismal Premier League title defence.But Chelsea's thumping reverse at the Hill Dickinson Stadium gives renewed hope to a clutch of clubs below them, including Everton themselves, Brentford and Fulham, who beat relegation-bound Burnley 3-1.The top five teams in the Premier League are almost guaranteed to play Champions League football next season due to the strong showing of English clubs in Europe.

Arsenal are hot favourites to land the Premier League title for the first time since 2004, with second-placed Manchester City well clear of city rivals Manchester United.United, who drew 2-2 at Bournemouth on Friday, are four points ahead of fourth-placed Aston Villa, who host struggling West Ham on Sunday.

Liverpool arrived on the sunny south coast after completing a morale-boosting 4-1 aggregate win over Galatasaray at Anfield in midweek to reach the Champions League quarter-finals.But they were well beaten by Fabian Hurzeler's hungry Brighton, for whom evergreen forward Danny Welbeck scored twice, either side of Milos Kerkez's well-taken goal for the visitors.Liverpool boss Arne Slot pointed to key injury absentees and a swift turnaround from Champions League commitments to explain the damaging defeat.The Dutchman was without goalkeeper Alisson Becker and forward Mohamed Salah at the Amex Stadium, while top-scorer Hugo Ekitike limped off early.Defeat left the reigning champions with only one point from the past nine after they conceded late goals in a 2-1 loss at bottom club Wolves and last weekend's 1-1 draw at home to relegation-threatened Tottenham."Brighton away, that's

a difficult game for any team, especially if you miss out on a few very influential players," said Slot."Of course now, looking at the league table, this loss hurts a lot and it should hurt us a lot."

Liverpool are still alive in the Champions League and the FA Cup but face the prospect of ending the season trophyless, with daunting quarter-finals to come against Paris Saint-Germain and Manchester City.

Chelsea slump

Chelsea collapsed to their fourth straight defeat in all competitions against Everton, giving new coach Liam Rosenior a headache as he tries to salvage their season.

The Blues had the chance to go fourth, four points behind United, but they blew it in spectacular style after being out-performed and out-worked by David Moyes's men.

Everton's win, courtesy of two goals from Beto and a stunning curler from Iliman Ndiaye, lifted them within three points of neighbours Liverpool with a home Merseyside derby to come next month.

Rosenior, who replaced Enzo Maresca in January, must find a way to lift his expensively assembled squad, who won the Club World Cup and the UEFA Conference League last season.

Sreeleela

Nearly Quit Acting Due To Trolling; Raashii Khanna Says Online Negativity Has Intensified

The leading ladies of Ustaad Bhagat Singh, Raashii Khanna and Sreeleela, have both been in the industry for a while now. The actors, who are paired alongside Pawan Kalyan in the big-ticket Ugadi release, have built flourishing careers of their own. However, Sreeleela, who is set to star opposite Kartik Aaryan in Anurag Basu's next, has now opened up about a time when she almost considered quitting acting due to online trolling.

Both Sreeleela and Raashii Khanna were present for a chat with anchor Samu to promote their film, Ustaad Bhagat Singh. During the interaction, they were asked about dealing with social media trolling. Sreeleela spoke candidly about a phase when she was on the verge of quitting, while Raashii shared that things have only worsened over time.

When asked if she was ever afraid of trolling, Sreeleela said, "I did when I first started in this industry. I used to feel so bad about it; I would cry. I even told my mother, 'I don't think I'll be able to do this. Should I go back to school or college?' I was so sensitive, but now I'm immune to it."

Raashii added, "I feel it a little bit now because the trolling has gotten intense. I think people pass judgment without really knowing the truth, and I have a problem with that. The character I've built for so long, I just fear that…"

Sreeleela, however, believes that audiences today are more discerning. "I feel like people today have an intellect of their own. So even when they see negativity, they think a little," she said, as Raashii underlined her point, adding, "People write anything just for clickbait, though."

Sreeleela and Raashii Khanna on the work front

Sreeleela, who debuted in 2019, was recently in the news for graduating with an MBBS degree. The actor will next be seen in Dhanush's upcoming film and will also make her Bollywood debut with Anurag Basu's next.

Raashii Khanna, on the other hand, debuted in 2013 and will next be seen in Farzi Season 2, Rowdy and Co, Talaakhon Mein Ek, Bridge, and an untitled film directed by Anees Bazmee.

Tamannaah Bhatia

Completes 21 Years As An Actor, Co-Star Says 'Truly An Inspiring Achievement Sweety'

Actor, director and producer Vishal has now congratulated actress Tamannaah on completing 21 years in the film industry, saying it was "truly an inspiring achievement". Taking to his Instagram page to pen a post of appreciation to his co-star in director Sundar C's upcoming film 'Purushan', Vishal wrote, "Congratulations to darling Tamanna for completing 21 glorious years in Indian cinema as an actress/lead performer. No mean feat. Wow. This is truly an inspiring achievement, Sweety. And still rocking on the silver screen."

He went on to say, "May you continue this lovely, amazing journey and continue to enthral audiences wide and far. Would proudly say that you are one of my closest friends in the film industry who hasn't changed one bit since I first met you, until this day and our friendship remains intact for the last 20 years. We have seen it all in these years. Success, failure, ups and downs. People have come and gone. But we remain the same, like school besties. Keep going, gal."

He concluded the post saying, "No stopping you and always a pleasure sharing screen space with you. More power, positivity and success to you as always. God bless."

Meanwhile, the unit of director Sundar C's 'Purushan', featuring actor Vishal in the lead, is to head to Kolkata for its next schedule after shooting songs in Goa.

Says a source close to the actor, "The Kolkata schedule is likely to be around 20 days."It may be recalled that the makers of the film had announced the film's title in January this year on the occasion of director Sundar C's birthday.

Taking to his X timeline to share a link to a promo of the film, Vishal had then said, "…wishing my darling brother a very, very happy entertaining and fun-filled birthday."

The actor, who went on to call Sundar C as his favourite director, added, "… I am super happy to kickstart my next film #Vishal36 titled as #Purushan with him for

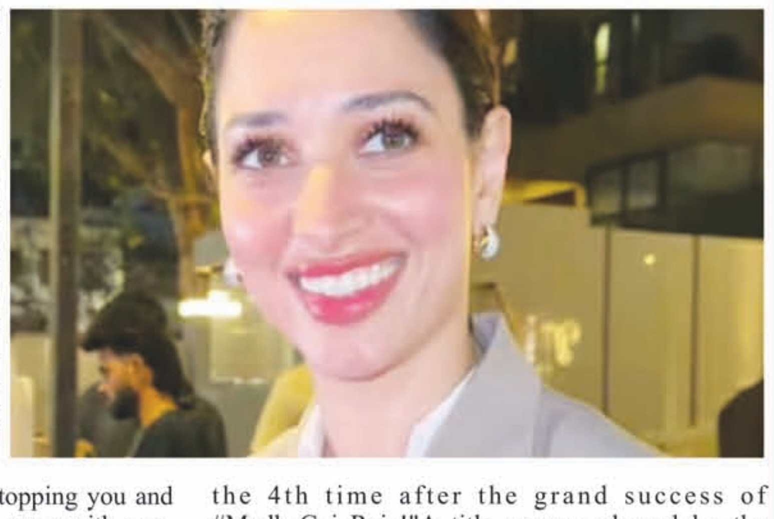

the 4th time after the grand success of #MadhaGajaRaja!"A title promo released by the makers showed Vishal playing the husband of Tamannaah in the film. The promo showed Tamannaah calling the shots in the family while Vishal appeared to be a docile, subservient husband. The film, which will have music by Hip Hop Tamizha, will have cinematography by Gopi Amarnath and editing by Roger. The film is being produced by A C S Arun Kumar.

Ranveer Singh, Alia Bhatt's Takht To Be Revived Amid Dhurandhar 2's Success? Karan Johar Reveals Truth

Karan Johar's grand historical drama Takht may have been shelved for now, but it's certainly not forgotten. Originally announced in 2020 with a star-studded ensemble including Ranveer Singh, Alia Bhatt, Kareena Kapoor Khan, Vicky Kaushal, Janhvi Kapoor, and Anil Kapoor, the film was slated for a Christmas 2021 release. However, it quietly disappeared from Dharma Productions' lineup.

However, after the mega success of Ranveer Singh's Dhurandhar and Dhurandhar 2, fans were curious whether Takht would see a revival. In a recent chat with Hindustan Times, Karan Johar confirmed that while there are no derivatives or versions of Takht being made currently, the film has also not been permanently shelved.Karan Johar said, "…There is no derivative of Takht being made… There is no revival of Takht currently on the cards. But Takht is a film I will definitely make while I can still breathe and stand on my feet. I consider it one of the strongest screenplays developed, written by Sumit Roy—full credit to him. I believe it is the best-written piece of work in my career, and I hope to make that film one day."

Last year, in a chat with Galatta Plus, Karan Johar broke his silence on what went wrong with the film. Without delving into the details, the filmmaker acknowledged that "multiple factors" kept the ambitious project from taking off. "It's a film on my table, and I will make it one day," Karan, however, asserted, reigniting fan hopes.

Karan called the story rich and complex. Set against the backdrop of Mughal politics, Takht would explore the intense power struggle between brothers Dara Shikoh and Aurangzeb. Originally announced with a teaser featuring a regal throne, Takht had all the makings of a magnum opus. Its sudden halt left fans puzzled, especially given the star power and grandeur associated with the project.Now, with Karan confirming that the film is merely paused and not cancelled, hope has been rekindled among Bollywood enthusiasts. Whether it's the scale, cast, or the compelling historical drama at its heart, Takht remains one of the most anticipated Dharma projects yet to materialise.

Sara Ali Khan Steps Out With Palak Tiwari Amid Orry Friendship Controversy

The duo was seen giggling and exchanging smiles, while the papas clicked them.Actor Ibrahim Ali Khan was also spotted at the same theatre just minutes earlier.The video shows Sara Ali Khan walking ahead in a flowing blue ethnic outfit, while Palak follows behind in a casual black top paired with denims.Interestingly, Ibrahim Ali Khan was also seen arriving at the venue earlier, dressed in a hoodie, maintaining a low profile.

His presence has once again fueled chatter around his rumoured relationship with Palak Tiwari.

The two have often been linked together, but till date

neither Ibrahim nor Palak has ever publicly confirmed their relationship.Sara Ali Khan, on the other hand, shares a friendly bond with Palak, and is often spotted together in social settings.

Adding to the buzz, Ibrahim's aunt Saba Ali Khan, on account of Palak's birthday in October, had shared a birthday post for her on her social media account, subtly acknowledging their closeness.

For the uninitiated, Sara and Ibrahim are the children of actor Saif Ali Khan and his former wife Amrita Singh, while Palak is the daughter of television star Shweta Tiwari.

Talking about the controversy, Orhan Awatramani, popularly known as Orry, stirred headlines when his close friendship with Ibrahim reportedly fell apart.

While Orry did not take names directly, his statements were widely interpreted as indirect jabs at Sara Ali Khan, Amrita Singh and Palak.The alleged fallout made headlines for weeks earlier this year, after which Sara and Ibrahim unfollowed Orry on social media platforms.